

राजा

कॉमिक्स
विशेषांक

मूल्य 50.00 संख्या 2397

लेवल जीरो

सुपर कमाण्डो ध्रुव

नागराज

फाइटर टोड्स





परिकल्पना
मंदार गंगेले
अनुराग सिंह

पटकथा
सुधांत पंडा

पेंसिलिंग
सुधांत पंडा

इंकिंग
सुधांत, मंदार,
बसंत पंडा

टाइपोग्राफी
हरीश शर्मा

इफैक्ट्स
शादाब सिद्दीकी

सह संपादक
मंदार गंगेले

संपादक
मनीष गुप्ता



संजय गुप्ता पेश करते हैं !

लेवल जीरो

राज कॉमिक्स है मेरा जलून !



पिछले अंक 'गहरी चाल' में आपने पढ़ा किस तरह नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव का पुराना दुश्मन श्रीन मांभा स्वर्ण नगरी के एक भद्दार वैज्ञानिक जेलर भद्रक की मदद से स्वर्ण नगरी की अभेद कारागार से आजाद हो जाता है और धनंजय सहित पूरे स्वर्णनगरी को बेहोशी के धर्त में धकेल वहां पर अपना कब्जा कर लेता है। परन्तु फाइटिंग टोड्स की निर्मात्री शिल्पात्री वहां से फरार हो जाती है। टोड्स इमोशनल मूवी दीवार देखकर इमोशनल हो जाते हैं और टोडदेव से अपने लिए एक मां मांगते हैं। इतने में आयाम द्वार खुलता है और नागराज और ध्रुव से मदद मांगने जा रही शिल्पात्री का बेहोश जिरम बाहर आ गिरता है। टोड्स शिल्पात्री को अपनी मां समझ लेते हैं। अब आगे पढ़ें-



ओह! मैं कहां हूँ?

बेहोश होने के बाद आयामी द्वार से मेरा नियंत्रण हट गया था।

नागराज और ध्रुव तक पहुंचने से पहले ही मैं बीच में ही वहीं आ गिरी और न जाने इस वक्त मैं कहां पर हूँ?

मम्मी!

मम्मी?

मम्मी
को होश आ
गया।

नहीं! नहीं!
माँम सो कर जाग
गई।

मां तू जाग
गई मां।

माते! हम
तेरे लाल...
नहीं- नहीं! हरे-
पीले, तुम कहां
थी अब तक
कठोर?

मम्मी?
माँम?? मां?
माते?



ये तो फाइटर टोड्स हैं। मेरे अविष्कार।
स्वर्ण नगरी के प्रतिनिधी।
यह मुझे अपनी मां क्यों समझ रहे हैं?



ये तुमसे
किसने कहा कि मैं
तुम्हारी मां हूँ?

अब हमें और अधिक
मूर्ख न बनाओ माते। टोडदेव से जब
हमने अपने लिए एक मां मांगी तो तभी
टोडदेव का द्वार खुला और टोडदेव
ने तुम्हें हमारे पास भोज दिया।



तुम्हारी याद
में हम बहुत तड़पे मां।
मांSSS ऊवांSSS.



कितने भोले, कितने मासूम हैं ये!

आखिर हैं तो मेरे द्वारा निर्मित किए हुए।
एक तरह से हैं तो यह मेरे बच्चे ही।

फिर अगर ये मुझे अपनी मां समझ रहे हैं
तो मुझे भी इनका दिल नहीं तोड़ना चाहिए।



बच्चों तुम कितने समझदार हो
गए हो। मैं तो तुम्हारी परीक्षा ले रही थी। पर
तुम सबने तो मुझे झट से पहचान लिया।
मैं तुम्हारी मां ही हूँ। मेरे बच्चों।

मांSSSS



मां तुम्हारी
शक्ल इंसानों जैसी
क्यों है?

टोडदेव की आज्ञा से मुझे
कई सारे काम इंसानों के बीच में
रहकर करने पड़ते हैं। इसलिए मैंने
प्लास्टिक सर्जरी करवाई है ताकि बिना
किसी दिक्कत के मैं इंसानों के साथ
काम कर सकूँ और उन्हें कोई
शक भी ना हो।



प्लास्टिक
सर्जरी से पहले तुम कैसी
दिखती थीं?

क्या प्लास्टिक
सर्जरी से सिर पर बाल
भी आ जाते हैं?

टर्र टर्रऽऽऽ
टर्र टर्रऽऽऽ

इंसानों के
बीच तुम्हें क्या काम
पड़ते हैं?

टोडदेव
ने तुम्हें क्या काम
सौंपा है?

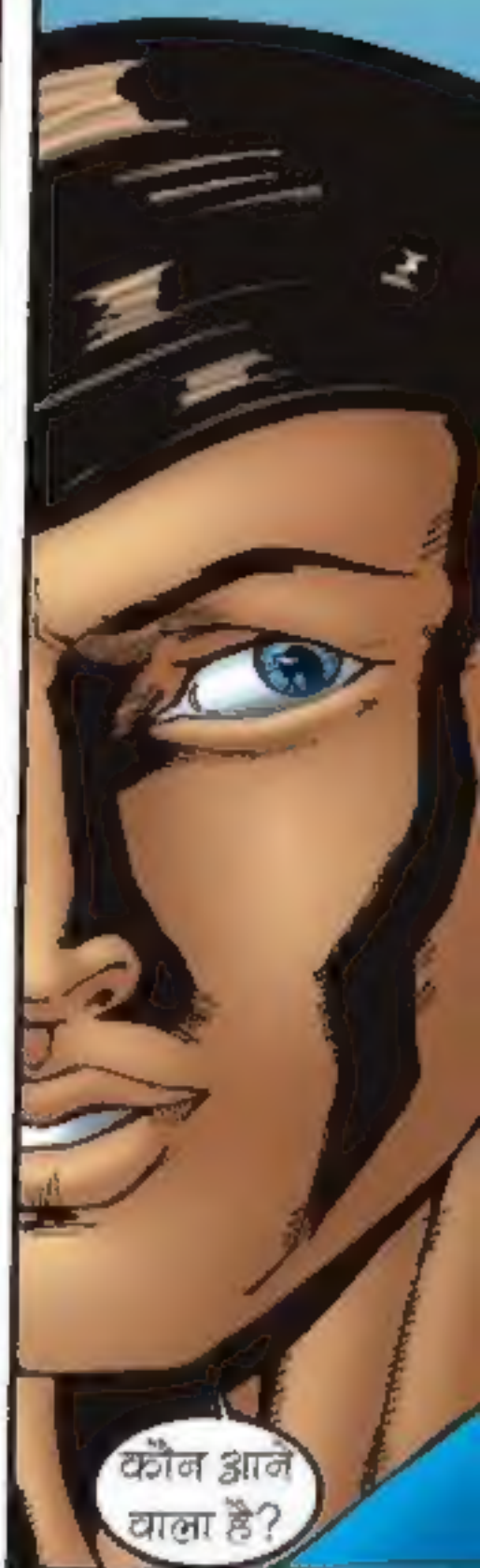
टर्र टर्र
टर्र टर्र

उफ! बुरी फंसी शिल्पात्री अब या तो इनके
सवालों के जवाब दे-दे या इनकी टर्र-टर्र
से दुबारा बेहोश होने की तैयारी कर ले!

हे टोड देव... बचा लो!

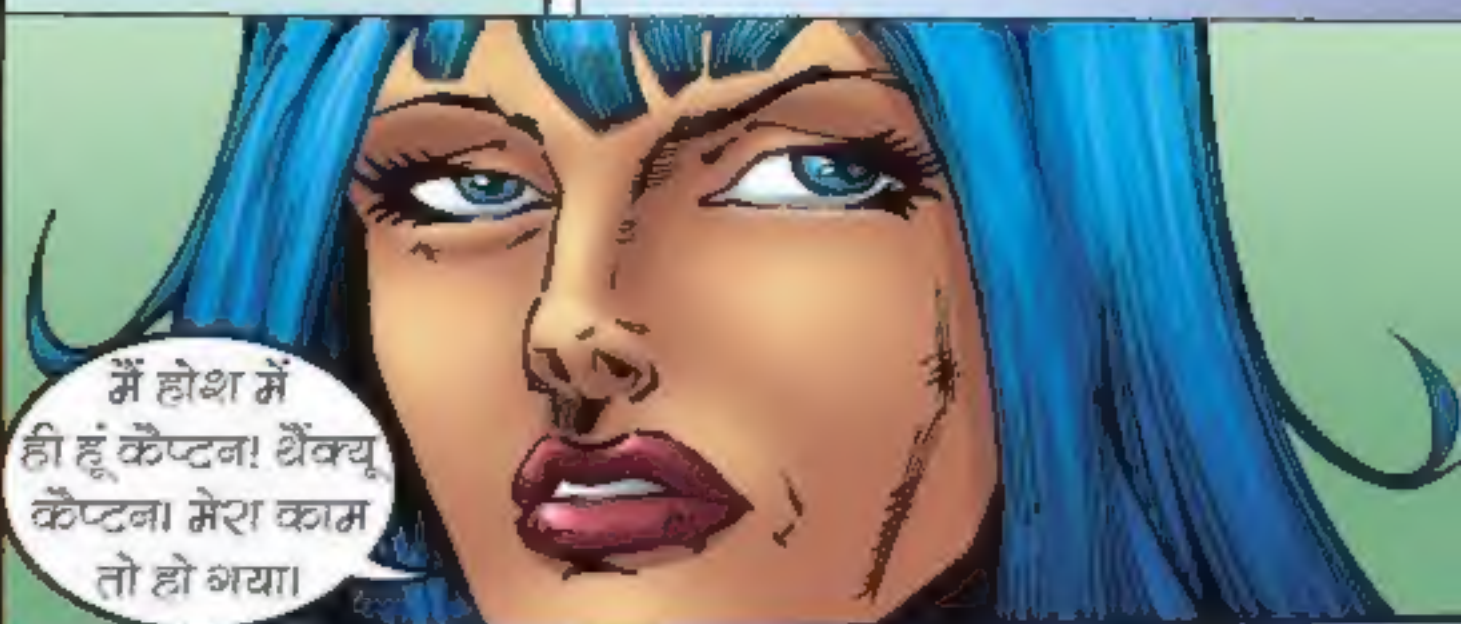
ओह! ये मैं क्या सोच रही हूँ!

कहाँ होंगे नागराज और...





रेणु!
प्लीज होश में
आओ।



मैं होश में
ही हूँ कैप्टन! थैंक्यू
कैप्टन। मेरा काम
तो हो गया।

कैसा
काम?

नताशा ने देख
लिया होता तो मेरे लिए भी कोई
च्चाइस नहीं होती। नताशा का गुस्सा तो
तुम जानती ही हो बम की तरह
फटता है।

बिल्कुल सही कहा
तुमने। नताशा का गुस्सा
बिल्कुल बम। हाहाहा।

दरअसल एक पप्पू
लड़का कई दिनों से मेरे पीछे
लगा था। उसे न निगलते
बनता था न उगलते।

फिर फाइनली मुझे उससे
पीछा छुड़ाने के लिए ये आइडिया मिल
गया। मैंने उसे कहा कि मेरा ब्वॉयफ्रेंड है।
जब उसे विश्वास न हुआ तब मुझे ये
घाल चलनी पड़ी।

तुम्हें कोई
और नहीं मिला था इस
ड्रामे के लिए।

पीटर था नहीं और
करीम से होता नहीं। अब बचे
सिर्फ तुम। NO CHOICE!



अरे बाप रे स्पून बॉस
ने सही कहा था। ध्रुव के दिमाग
के सामने सुपर कम्प्यूटर
भी कुछ नहीं।

इसने मुझे
देखते ही ताड़ लिया कि
मेरे पास बम है।

*टुण्डे
अब तेरा क्या
होगा?

*टुण्डे के बारे में
जानने के लिए पढ़ें
'फाइटर टोड्स'।

आल 'तू',
जलाल तू! आई बला
को टाल तू!

इसे क्या
हुआ कैप्टन?
ये कांप क्यों
रहा है।

इसकी जेब
से क्रिकेट की गेंद गिर
रही हैं। और... नीचे गिरती गेंदों का
आकार और स्पीड तो बढ़ती
ही जा रही है।

बचो कैप्टन
ये तो...

"बॉम्बस् हैं।"

कमाल है। ये जमीन
पर गिरकर नहीं फट रहे,
पर जैसे ही किसी बिहिडंग या
कार के सम्पर्क में आते
हैं फट जाते हैं।

ये स्मार्ट बॉम्ब्स हैं! इनकी इलास्टीसीटी इनकी स्पीड को और बढ़ा रही है।

मुझे आखिरी समय तक इंतजार करना होगा और...

BADOMBS!!!

इन बॉम्ब्स में सेंसर लगे हैं शायद! ये तो पूरी बम मंडली मेरे पीछे पड़ गई।

क्या था ये? सोचा समझा हमला था या फिर किसी बड़े आतंकी हमले की प्लानिंग!

जो अनायास ही मेरे सामने आ गई!

इनसे निपटने का एक तरीका समझ में आ रहा है।

इस तरह से मैं तो बच जाऊंगा। पर आस-पास की चीजों से टकरा कर ये जान और माल दोनों को नुकसान पहुंचाऊंगा।

GOOD! जैसा सोचा था ये सारे मेरे पीछे पीछे गटर में आ गए हैं।

अब बस मुझे दूसरी ओर से बाहर निकलकर...

करना है गटर का ढक्कन बंद।

और हो जाएगा ब्लास्ट...

KABOOM

सारे बम अंदर ही रह जाएंगे।

जल्दी कर बाहरी!
समय कम है। अर्द्ध आत जगह
और बम लगाने हैं।

क...क...
क...क...
कर..

क्या हुआ?
क्या कर-कर, कर
रहा है। सांप क्यों सुंघ
भया तुझे?

सांप...

...सांप...
सुंघ नहीं भया..
सुंघ रहा है।

अब
सुंघ ही रहा
है ना? काना
नो नहीं अर्द्ध?
उड़ा क्यों नहीं
देना उसे।

उड़ा है
भाले को चंदे।

अर्द्ध
सिर्फ ये उड़
रहा है..

चंदे! तू
नो खुद उड़ने
लगा।

और अब
उदेंगे इसके
होश।

नागराज

धाड़

उसके तो सिर्फ
होश उड़े हैं। तू तो पूरा का
पूरा उड़ जायगा।

हां, नागराज
तुमको ये मौका
देगा।

मेरे कानों को धमाके
पसंद हैं और वो धमाके के साथ
अब नागराज की चीखें भी
सुनना चाहते हैं।

अब
इतिमनान से
सुनना...



... नागराज
की चीख।



जेल पहुंचने से
पहले अगर तुझे मोश आ गया
तो अपने साथियों की चीख जरूर
सुन लेगे तेरे धमाके परसंद
करने वाले कान।



अफिन...

KABOOM



सपने में।

पर उससे पहले
बला फाड़कर चीखने की
बजाय यह बकना कि किसके
कहने पर यह काम कर रहे थे,
तुम्हारी सेहत के लिए ज्यादा
फायदेमंद होगा।

बनाओ। किसके
कहने पर बॉम्ब्स लगा
रहे थे यहां?

बनाऊंगा
पर तुझे
नहीं तेरी लाश
को?

मेरी लाश?

13

पर उससे पहले
बला फाड़कर चीखने की
बजाय यह बकना कि किसके
कहने पर यह काम कर रहे थे,
तुम्हारी सेहत के लिए ज्यादा
फायदेमंद होगा।

बनाओ। किसके
कहने पर बॉम्ब्स लगा
रहे थे यहां?

बनाऊंगा
पर तुझे
नहीं तेरी लाश
को?

मेरी लाश?

13

पर उससे पहले
बला फाड़कर चीखने की
बजाय यह बकना कि किसके
कहने पर यह काम कर रहे थे,
तुम्हारी सेहत के लिए ज्यादा
फायदेमंद होगा।

बनाओ। किसके
कहने पर बॉम्ब्स लगा
रहे थे यहां?

बनाऊंगा
पर तुझे
नहीं तेरी लाश
को?

मेरी लाश?

13

पर उससे पहले
बला फाड़कर चीखने की
बजाय यह बकना कि किसके
कहने पर यह काम कर रहे थे,
तुम्हारी सेहत के लिए ज्यादा
फायदेमंद होगा।

बनाओ। किसके
कहने पर बॉम्ब्स लगा
रहे थे यहां?

बनाऊंगा
पर तुझे
नहीं तेरी लाश
को?

मेरी लाश?

13

मेरी लाश
देखने वाले तेरे जैसे न
जाने कितने ही..

...ख्वाहिशमंद
अपनी ख्वाहिश दिन में
दबाए परलोक सिधार
बाए?

धाड़!!!

हेलो। महानगर
पुलिस। संपत नगर,
सेक्टर 16 में चार आतंकवादी
बॉम्ब प्लांट करते
पाए गए हैं।

अब अपनी
बाकी की जिंदगी यही
ख्वाहिश मिले जैसे की
काल कोठरी में
बिताना।

साथ!!!



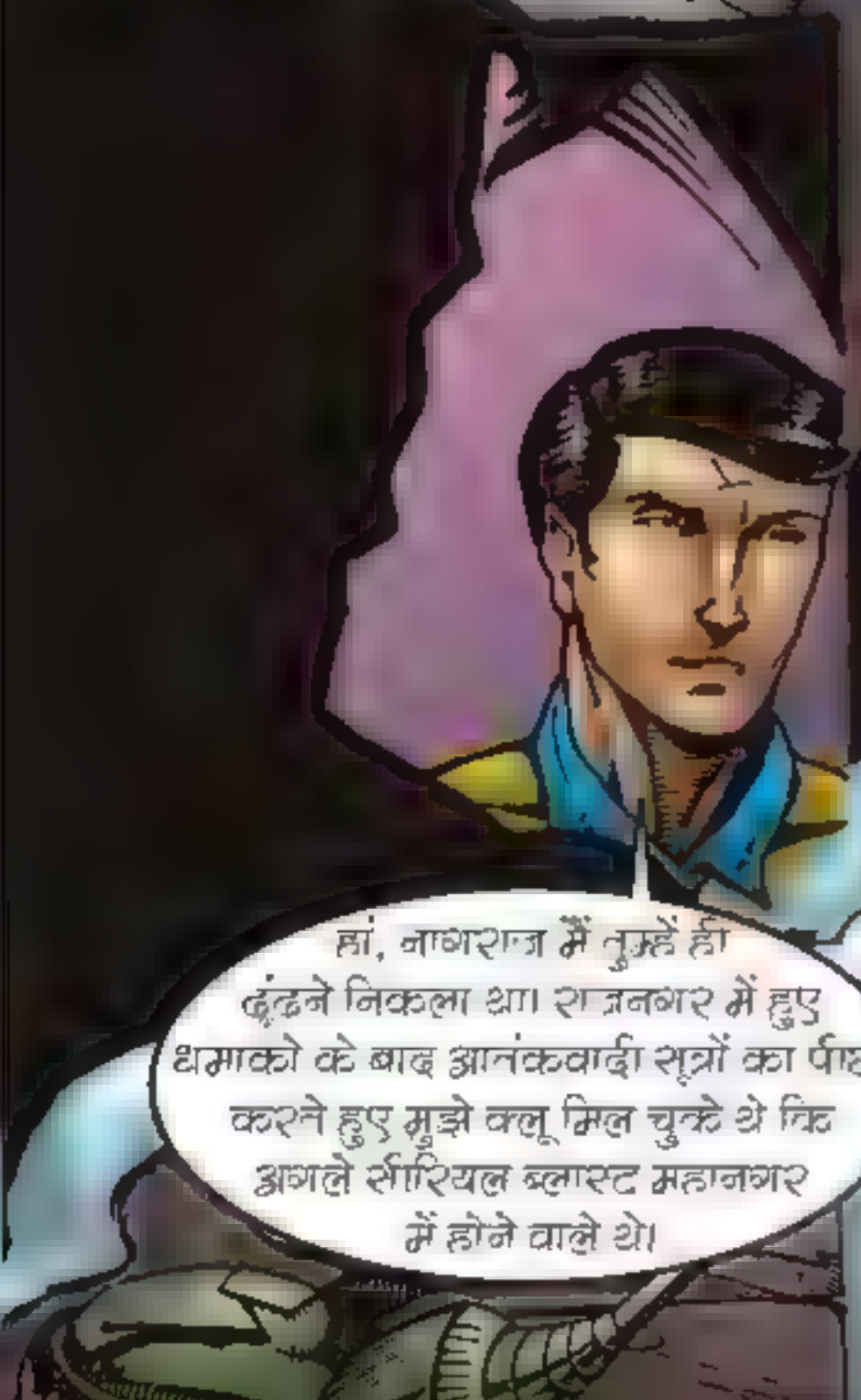
..जो कि राजनगर और महानगर में ही ठाकर नहीं रुकने वाली है। बल्कि इनकी योजना भारत के कोने कोने को हिलाकर रख देने की है।

धुवा तुम यहां???

जब तुमसे संपर्क नहीं हो पाया तो मैं नुरेन स्टार हैलीकॉप्टर से महानगर आ गया और ज़ासूस मित्रों से पता लगा कि तुम इस वक़्त यहां पर हो।

आतंकवादियों की बाहरी साजिश लगनी है। पहले राजनगर में सीरियल ब्लास्ट और अब महानगर में भी सीरियल ब्लास्ट की योजना।

बाहरी ही नहीं बहुत बड़ी साजिश है।



हां, नागराज में तुम्हें ही ढूंढने निकला था। राजनगर में हुए धमाके के बाद आतंकवादी सूत्रों का पीछा करने हुए मुझे कलू मिल चुके थे कि अबले सीरियल ब्लास्ट महानगर में होने वाले थे।



आतंकवादियों की शक्ति का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि, विस्फोट में इस्तेमाल किए जाने वाले बम में किस तरह के ज्वलनशील पदार्थों का प्रयोग किया गया है यह अभी तक पता नहीं चल पाया ऐसे विस्फोटक पदार्थ पहली बार नज़र में आए हैं।

इस सारे मामले की तह तक जल्दी पहुंचना होगा क्योंकि..

"बात जितनी मामूली दिख रही है उतनी मामूली है नहीं।"

क्या हुआ
भाइयार?

बेड़ागर्क
हुआ।

पूरी कोशिशों के बावजूद
श्री में प्रक्षेपास्त्रागार को खोल पाने
में सफल नहीं हो पाया हूँ।

'बेड़ागर्क'
का बेड़ापार कब
होगा?

और हम
उन्हें होश में लाने
का जोखिम नहीं
लेना चाहिए।

शिल्पात्री का
पना कैसे लगाओगे
तुम?

मरे पास
बहुत से ऐसे यंत्र हैं जिस
की सहायता से

"मैं शिल्पात्री का पनाल से श्री खोज निकालूँगा।"

बच्चों टोडदेव को
नागराज और ध्रुव की मदद
की जरूरत है।

हमें नागराज
और ध्रुव को ढूँढने के लिए
निकलना चाहिए।

आप नहीं जाओगी।
आप घायल हो। आपको अश्वि
इलाज की जरूरत है।

"हम आपको ले चेंगे डॉक्टर नौकी जी के घर।"

हांवा। बहुत जल्द होगा भांवा।
क्योंकि जिन इक्के दुक्के को इस द्वार
को खोलने का तरीका पता है। उनमें से एक शिल्पात्री
श्री है। जिसे हमें ढूँढ निकालना होगा, क्योंकि बाकी
स्वर्णमानवों और धनंजय वगैरहा को तो हमने
गहरी बेहोशी के गर्त में धकेल दिया है।

आज तक तुम
चारों ही मेरी समझ में
नहीं आए थे।

अब नुस्हारी मा
कहां से आ गई?

इन्हें
टोडदेव ने भेजा
है। हाहाहा।

अब ये टोड
देव कौन है? खैर
छोड़ो...

मम्मी आप आराम करो। हम
चारों दो दो की टोली बनाकर नागराज और ध्रुव जी से
मिलने राजनगर और महानगर जाते हैं।

कहाँ
इंस्पेक्टर साहब क्या
प्रोब्लेम है?

मुह खुलेगा
इंस्पेक्टर! क्योंकि नागराज
के पास सच उगलवाने के
और भी तरीके हैं।

अपराधियों का
टॉर्चर करके सच उगलवाने
के जितने तरीके थे सारे अपना
लिए हमने। मगर अब तक कोई
अपना जुबान खोलने को
तैयार नहीं है।

सम्मोहन-

बोलो। किसके
कहने पर कर रहे थे
तुम ये काम?

वो... हम...
हकक!

मेरे तीव्र सम्मोहन में
फंसने के बाद भी इन्होंने अपना
जुबान क्यों नहीं खोली?

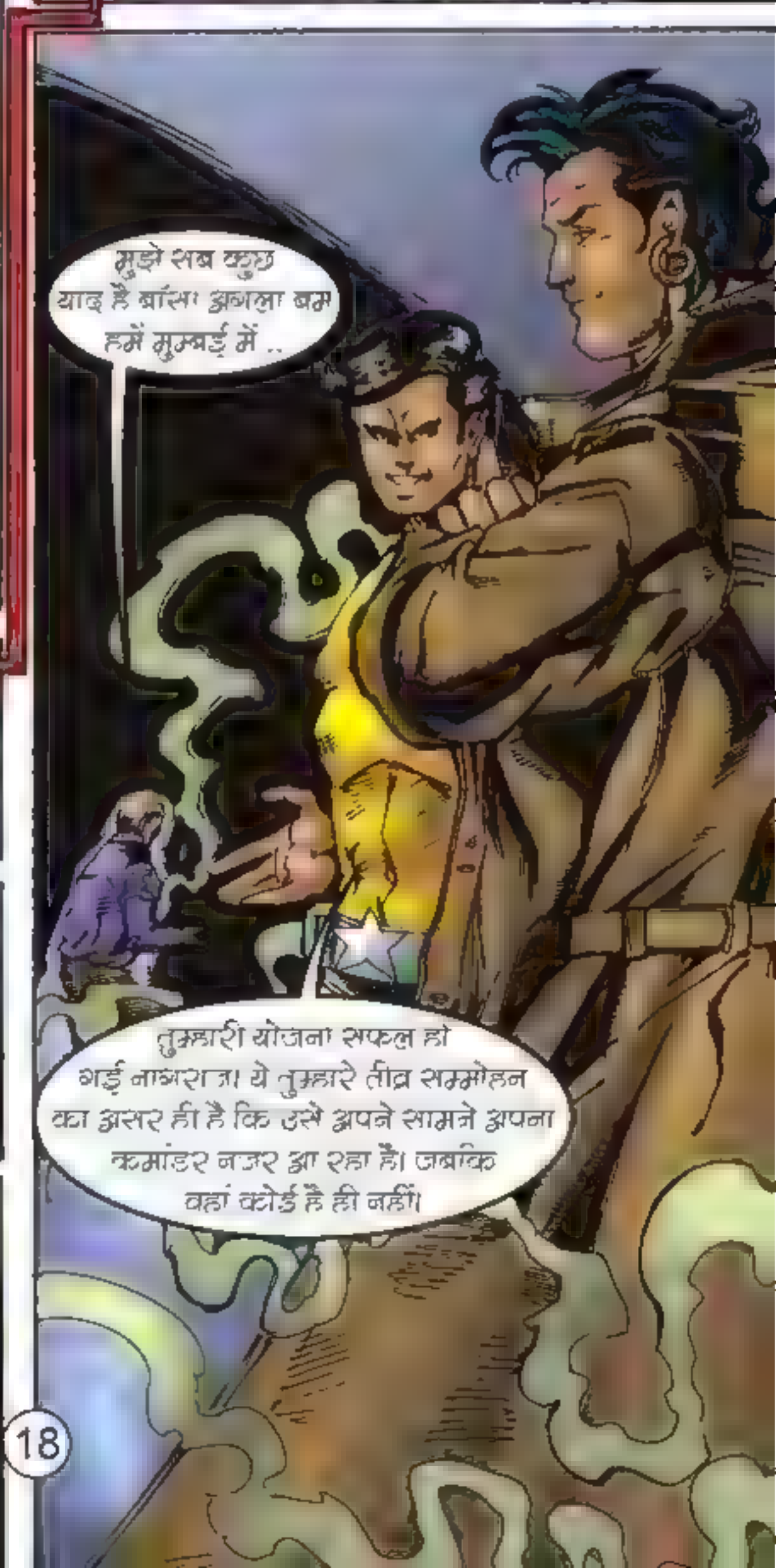
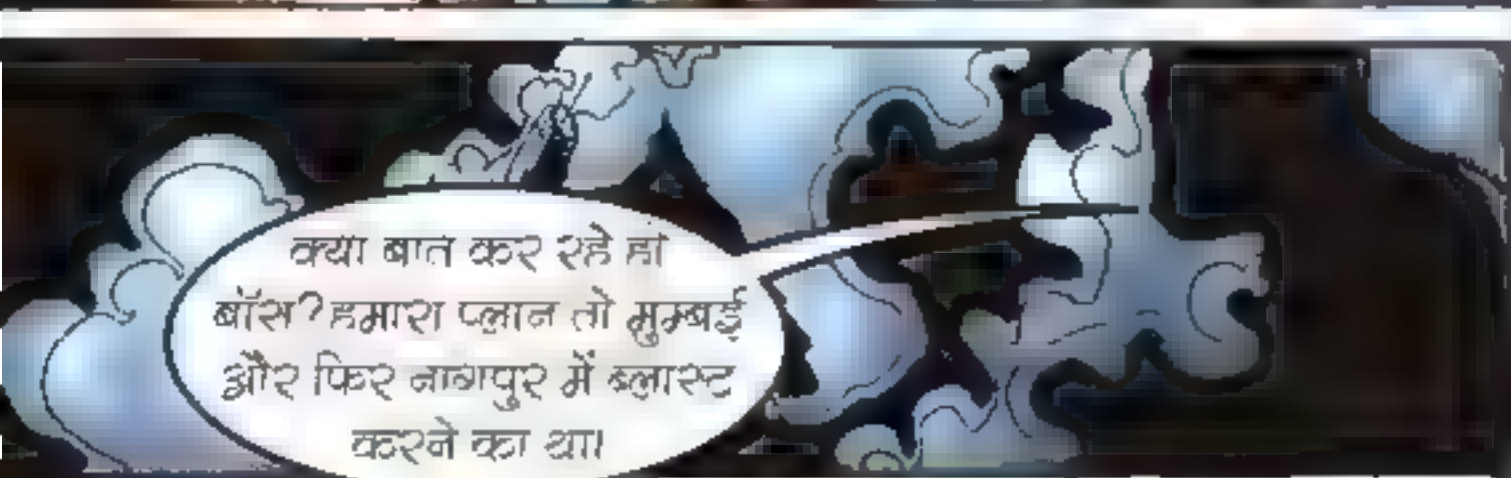
बल्कि इन्होंने
तो अपना जुबान ही
झींच ली।

मतलब
सम्मोहन से काम
नहीं चलेगा। इनकी
जुबान खुलवाने के
लिए कोई और
तरीका अपनाना
पड़ेगा।

मेरा सम्मोहन
भी नारको टेस्ट
की तरह ही है धुन।
जिसमें मैं इनको
अवचेतन अवस्था में
ले जाकर सच्चाई
उगलवाना हूँ।

हां! पर
वो तरीका हमें
जल्द...

आ जकल आतंकवादियों
को ट्रेनिंग देने समय इस बान की भी
ट्रेनिंग दी जाती है कि उनसे सच उगलवाने के लिए
यदि नारको टेस्ट का इस्तेमाल किया
जाए तो कैसे चकमा दिया जाए।

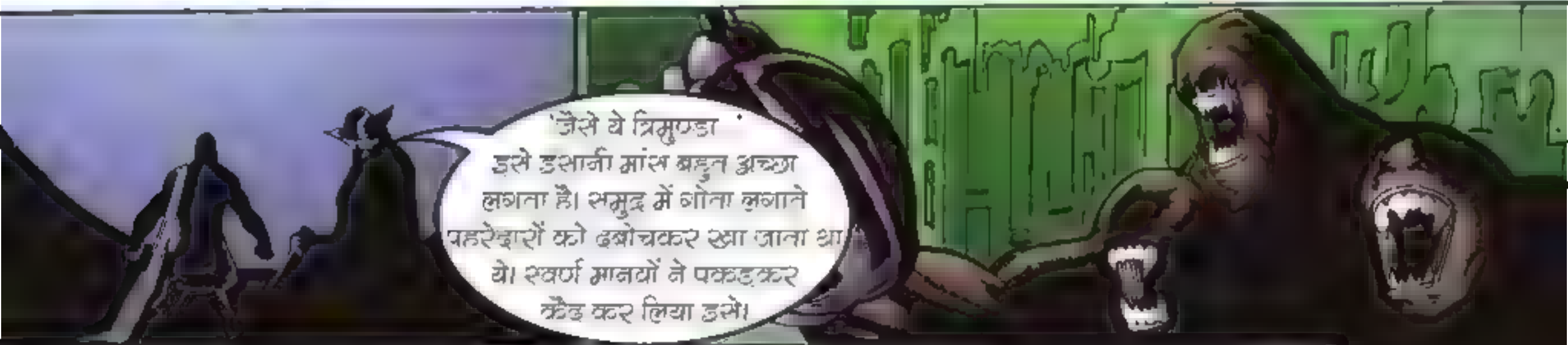




अब हमें
प्रोफेसर स्पून
के अटूट पर धावा
बोल कर इनकी
योजना को ध्वस्त
करना है।

मांसा और भद्रक-

मांसा यहां के कर्ड
कैदी हमारे काम आ सकते
हैं जो धरती पर जाकर नबाही
मचा सकते हैं। आनक का
हंका बजा सकते हैं।



'जैसे ये त्रिमूर्ति
इसे इसानी मांस बहुत अच्छा
लगत है। समुद्र में गोना लगाने
पहरेदारों को दबोचकर खा जाना था
ये। स्वर्ण मानवों ने पकड़कर
कैद कर लिया इसे।



अब
ये हमारा
गुनाह होगा
और विनाश
का खेल
खेलेगा।



19



वो बौना क्यों है?
उसे भी आजाद कर लेते हैं। शायद
किसी काम आ जाए।

वो बीना हमारे
किसी काम नहीं आएगा
बल्कि हमारा काम
तमाम कर देगा।

अभी बहुत कौड़ा
हैं हमारे पास जो काम
आ सकते हैं।

क्योंकि वो महामानव
है। पृथ्वी की सबसे बड़ी
महाशक्ति उसके सामने हमारी
हैसियत कीड़े मकौड़े से
अधिक नहीं है।

आगे चलो उसे
कैद से आजाद कर दिया तो
हम ज़िंदगी की कैद से
आजाद हो जाएंगे।

मेढक
का शुना हुआ
मांस कभी मेरा
प्रिय आहार
हुआ करना
था।

ये देखो शिल्पारी
के फॉर्मले पर मैंने निर्माण
किया है इन ब्लैक टोड्स का। इनमें
सारी जानकारी के अलावा जूडो
कराटे मार्शल आर्ट का भी
ज्ञान भर दिया है।

इन्हीं विकिरणों के
द्वारा शिल्पारी ने फाइटर टोड्स
को निर्माण किया था।

कम्प्यूटर
हम नागराज जी को
कैसे दूँगे?

कोई नहीं
जानता कि वो कहाँ
रहते हैं।

कटरी। मैंने
नागराज जी की बहुत
सी व्यूज इकट्ठी
कर ली हैं।

अच्छा फाइटर टोड्स
वो चार फुटे मेढक की औलाद।
उन कम्बख्तों ने भी घाट लगाई
थी मेरे धंधे की।

MUTATION LEVEL COMPLETE

हाहाहा मांसा ये ला
अब पूरी तरह से तैयार हो गए
हैं ब्लैक टोड्स। शिल्पारी को खोजने
का काम मैंने इन्हे ही सौंपा है। और मेरे
यंत्र बता रहे हैं कि शिल्पारी इन्हे
मिलेरी राजापुर में।

और मैं इस नतीजे
पर पहुंचा हू कि भारती चैनल
पर नागराज के इंटरव्यू और
लाइव एक्शन या फिर उससे जुड़ी
कोई भी खबर सबसे
पहले आते हैं।

मतलब कि...

मतलब कि हमें भारती चैनल पहुंचना है।

भारती

हमें नागराज जी से मिलना है?

तो आप यहां पर क्यों आए हैं? नागराज जी के घर जाइए।

आप नागराज जी के घर का पता बना दीजिए। हम वहीं चले जाएंगे।

नागराज के घर का पता तो मुझे नहीं पता।

वैसे नागराज पूरी दुनिया को अपना घर मानता है।

कमबख्त मकली। सोच रही है कि कुर्सी के पीछे जाकर कटर की जीभ से बच...

इसे कुछ नहीं हुआ। बस बिना इन्टरनेट के केबिन की चीजों से छेड़छाड़ करने पर सिक्युरिटी सिस्टम ऑन हो गया और करेंट का तेज झटका लगा है इसको।

मेंढकSSSI कौन हो तुम लोग?

कटर क्या हुआ तुझे? मरवा दिया कटर के बच्चे ने।

अब तुम भी अपने सिर से हेल्ट हटाओ और चुपचाप बताओ नागराज को क्यों दूँद रहे थे। कौन हो तुम?



चल कटरे

ईSSSमेंढकSSS
के भूत।

क्या हुआ
मैम?

आई पकड़ो
उसके।

कम्यूटर
वो नागराज जी का
पता..?

चुप कर झुक्खड़
कहीं को। तेरी चटोरी जीआ
हमेशा बेदागक करवानी
है हमारा।

अब नागराज
जी को कहीं और दूँदना
होगा।



राज टेबल
से उतर आओ।
वो बापू!

भा. बापू?



मैं तो अपने
केबिन से बाहर
ही न निकलूं। शूत
पिशाच निकट नहीं
आवे, महारजा जब
कथा सुनावे।



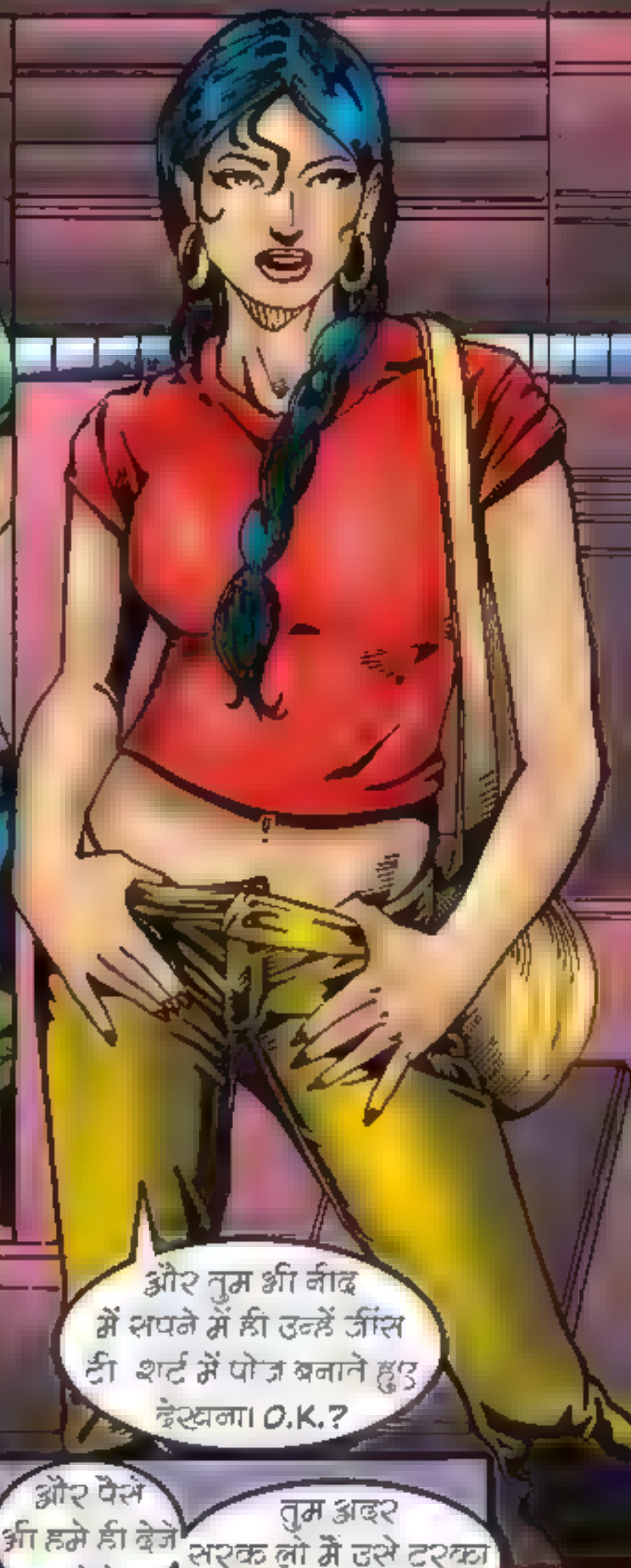
ये नागराज
जाने कैसे कैसे
डरावने खलनायकों से
पंगा लेता रहता है और
परिणाम झोली झाली
जनता को शुभलना
पड़ता है।



हीहीही। दोहरे
चरित्र का ऐसा
जबरदस्त परफॉर्मेंस
दिया है कि टोबी मेग्वायर
ने श्री स्पाइडरमैन और
पॉटर पाकर् के रोल
में नहीं दिया
होगा।

श्वेता ननाशा

हे हे हे ननाशा।
झाईया के लिए जीस,
टी शर्ट लेने का कोई
फायदा है की? वो झाई
साहब तो 24 में से 18 घंटे
उसी पीली नीली यूनिफॉर्म
में ही पाए जाएंगे। और
बाकी बचे 6 घंटे वो
नाइट सूट पहनकर
नींद करमाएंगे।



और तुम की नींद
में सपने में ही उन्हें जीस
टी शर्ट में पोज बनाने हुए
देखना। O.K.?

तुम अपनी...

हाँ, श्वेता।

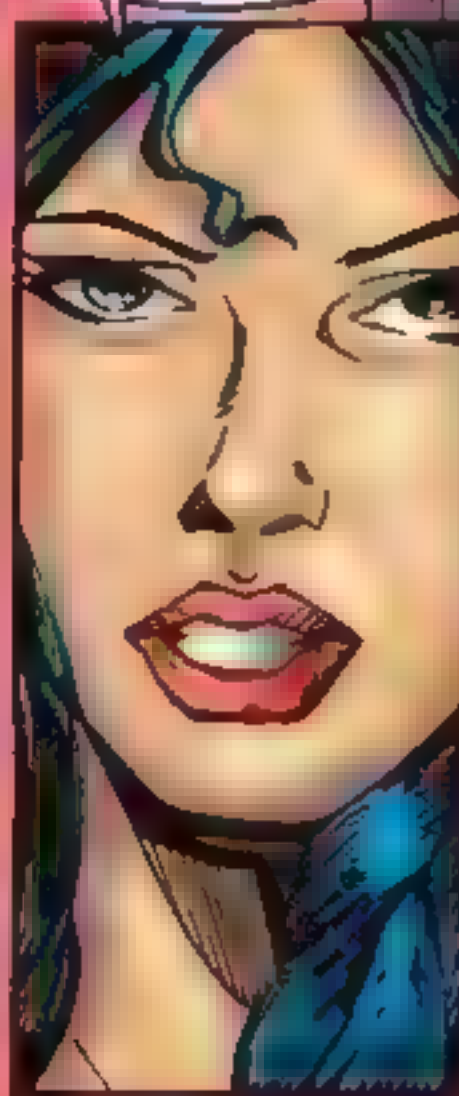
ईSSS अनुराधा!
मर गए ननाशा।
अब ये चिपकू
फेविकोल की तरह
हमसे चिपक
जाएगा।

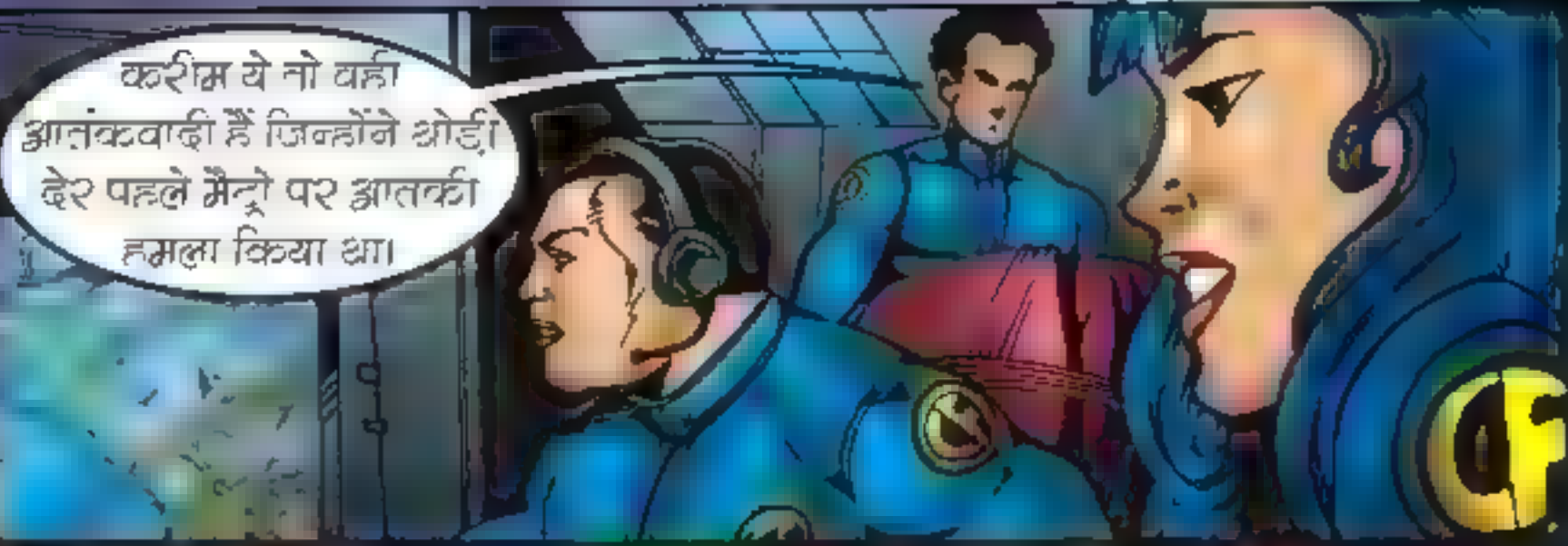
कमरखत
आने ही सरसी पिलाने
को कहेंगे

और पैसों
की हमें ही देजे
पड़ेगे।

तुम अंदर
सरक लो मैं उसे टरका
के आती हूँ।

O.K.



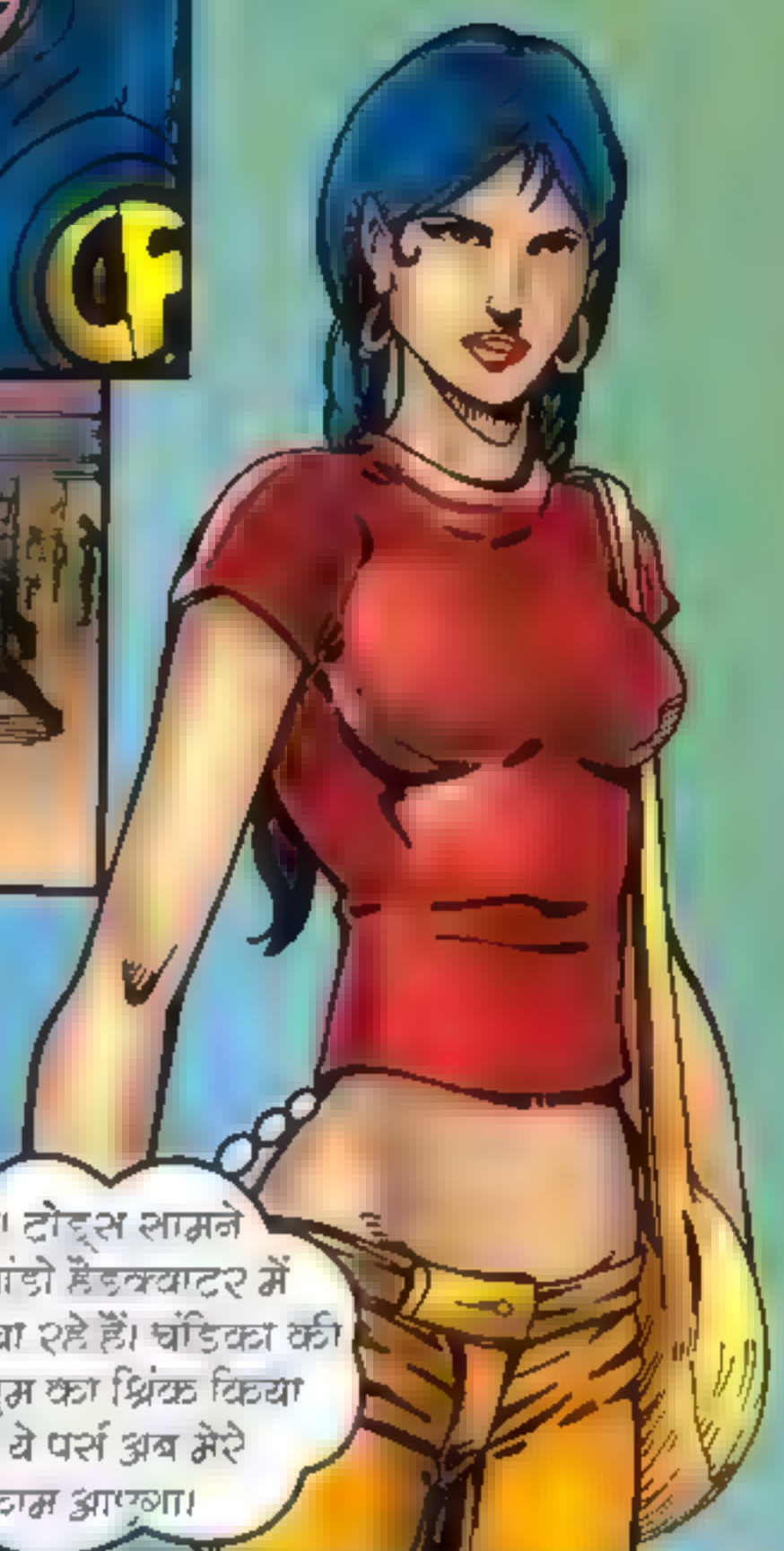


करीम ये नो वही
आतंकवादी हैं जिन्होंने थोड़ी
देर पहले मैट्रो पर आतंकी
हमला किया था।



वे आतंकवादी हैं।
बहादुर!
पकड़ लो
उन्हें।

साब पहले मेरे
को पकड़ो। मैं बश खाके
गिरना है।



ओह! दोस्त सामने
ही कमांडो हेडक्वार्टर में
हंगामा मचा रहे हैं। घंटिका की
कार्डियम का थ्रिंक किया
हुआ ये पर्स अब मेरे
काम आएगा।



हेड्स अप
आगने की कोशिश
मन करना।
क्योंकि आग
नहीं पाओगे।



हम
आतंकवादी कहा,
यानि गाली
दी।

हम आतंकवादी
नहीं, आतंकवादियों के
दुश्मन फाइटर
टोड्स हैं।

हमारा काम
अपराधियों से लड़ना
है। आतंक फैलाना
नहीं।

धाड़!!!

मार्डर आग यहा
से। हमें पुलिस के पचड़े
में नहीं पड़ना।



ये तो समस्या हो
गई शर्ट। अब कैसे
दड़ेंगे हम...



...धुव...
आऊऊऊऊक।

आग कर
कहां जाओगे
बमूनों?

आSSSSSSह!

कम्प्यूटर और कटर

कम्प्यूटर! अब
नागराज जी को कैसे खोजें?
कहां खोजें?

सचचं दिन से
खोजा जाए तो भगवान भी
मिल जाते हैं कटर।

ता समझ ला
भक्तों कि तुम्हें भगवान
मिल गए।

अरे!
नागराज जी
आ गए।

अपने आप।

अब बनाआ
भुटकों क्यों खोज
रहे थे मुझे?
और कौन
हो तुम?

हम फाइनर
टोडस हैं।

नागराज जी!
टोडदेव मुर्खान में हैं।
उन्होंने आप को मदद
के लिए पुकारा है।

आह! इनका हुंलिया ता उन
आतंकवादियों से मिलना है जिन्हें
ब्लैस्ट करते हुए देखा गया था।

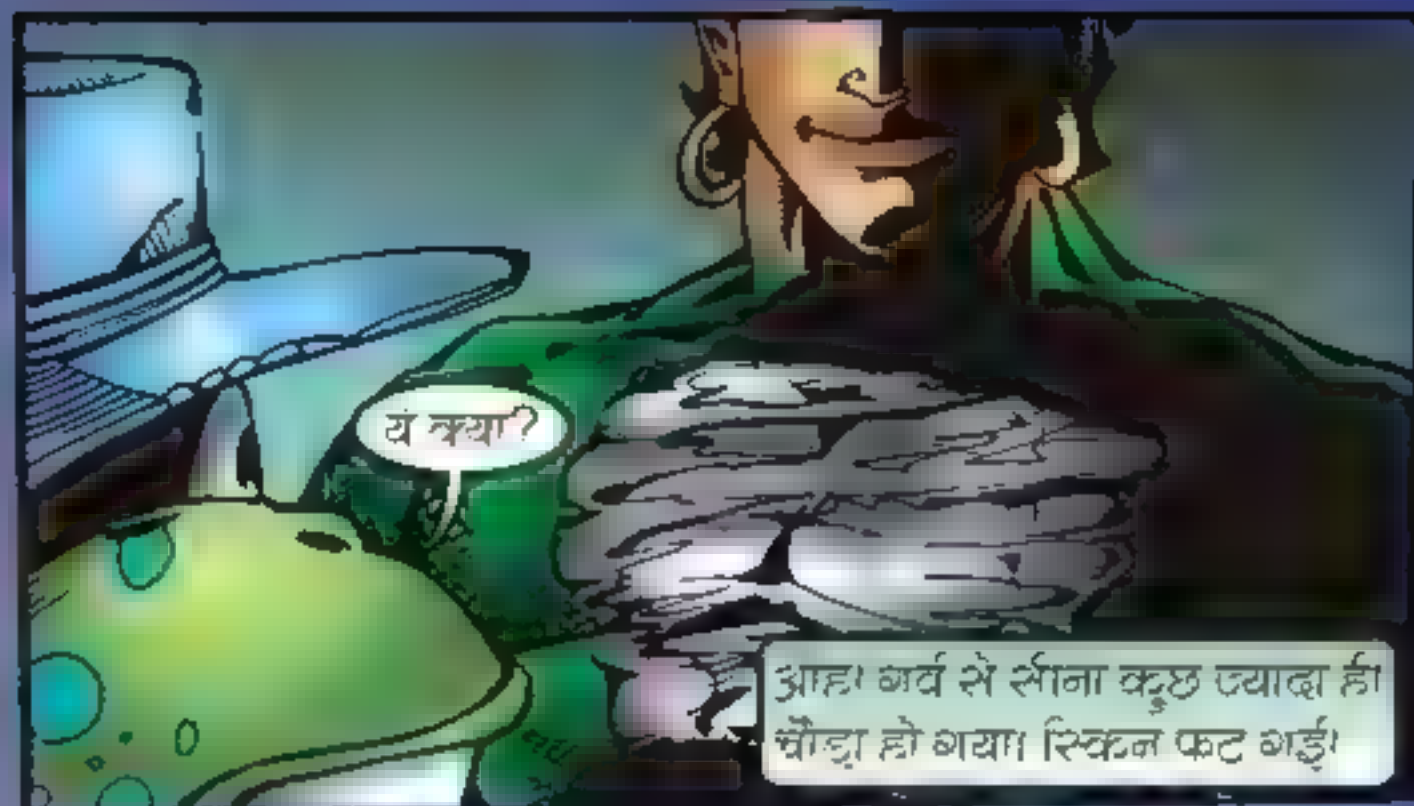
हमारी मा भी
घायल हो गई है। वो
खुद आप को बुलाने
आई थी।

प्लीज नागराज
जी...हमारे साथ चलिए
ना प्लीज!

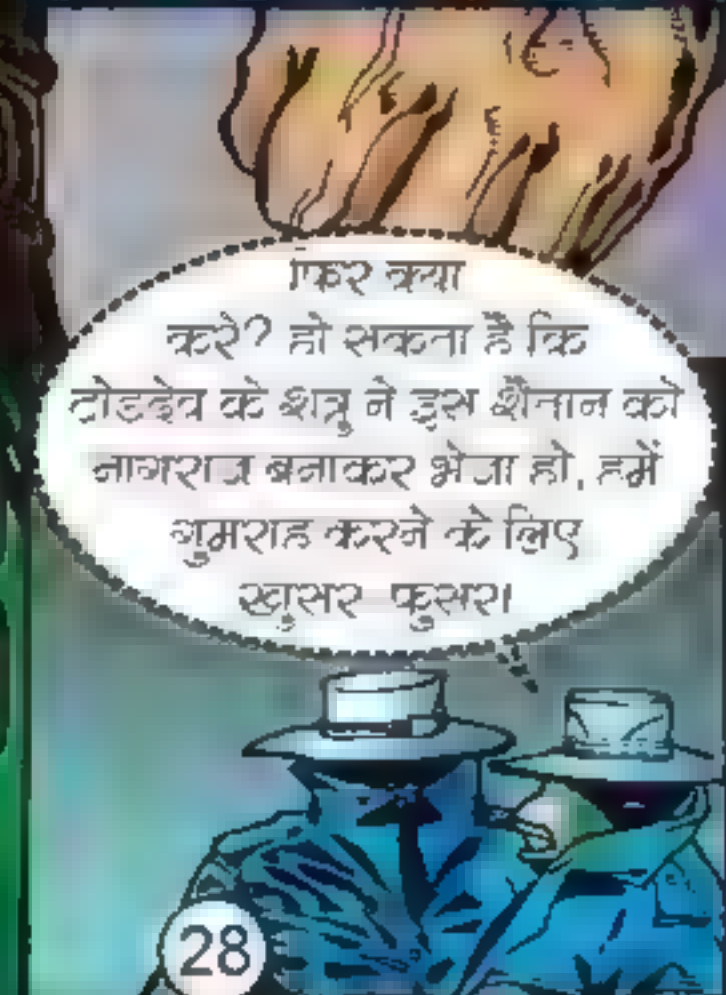
ये भुटके निजने आतंकवादी अपने आपकी
कुछ ज्यादा ही क्षयाणे समझते हैं।

मगर 'नाबू' को बंदकूफ बनाना
इतना आसान नहीं है। हीहीही।

अच्छा हुआ नागराज ने मुझे महानगर की सुरक्षा
के लिए 'राज' और 'नागराज' दोनों का रूप धर
कर यहां मौजूद रहने का आदेश दिया था।



आह! बर्ब से सीना कुछ ज्यादा ही
चौड़ा हो गया। स्किन फट गई।



मेरी जगह यदि नागराज होता तो वो जरूर
इनके इमोशनल ड्रामे में फंस जाना।

लेकिन इन बूटकों का दुर्भाग्य कि इनका
सामना सुपर स्मार्ट नाबू से हो गया। हीहीही।

क्या दिमाग पाया है नूजे नाबू
मुझे बर्ब है अपने आप पर।





...ये ना
रितिक रोशन
है।



आहा मेरा रहस्य
खुल गया पूरी दुनिया
जान गई नागराज का असली
रूप रितिक रोशन का
है।



दुनिया को पता न
चले, इसके लिए अब इन
बुढ़कों का मुंह बंद करना पड़ेगा।
मुंह बंद करने के लिए इनके
दांत तोड़ने होंगे।



और ये काम
करेगा। तुम जैसे
शैतानों का
दुश्मन...

कृष्ण!

"क्यों मुन्ना,
जबरन की
आवाज दौड़
क्यों मचा
रही है?"



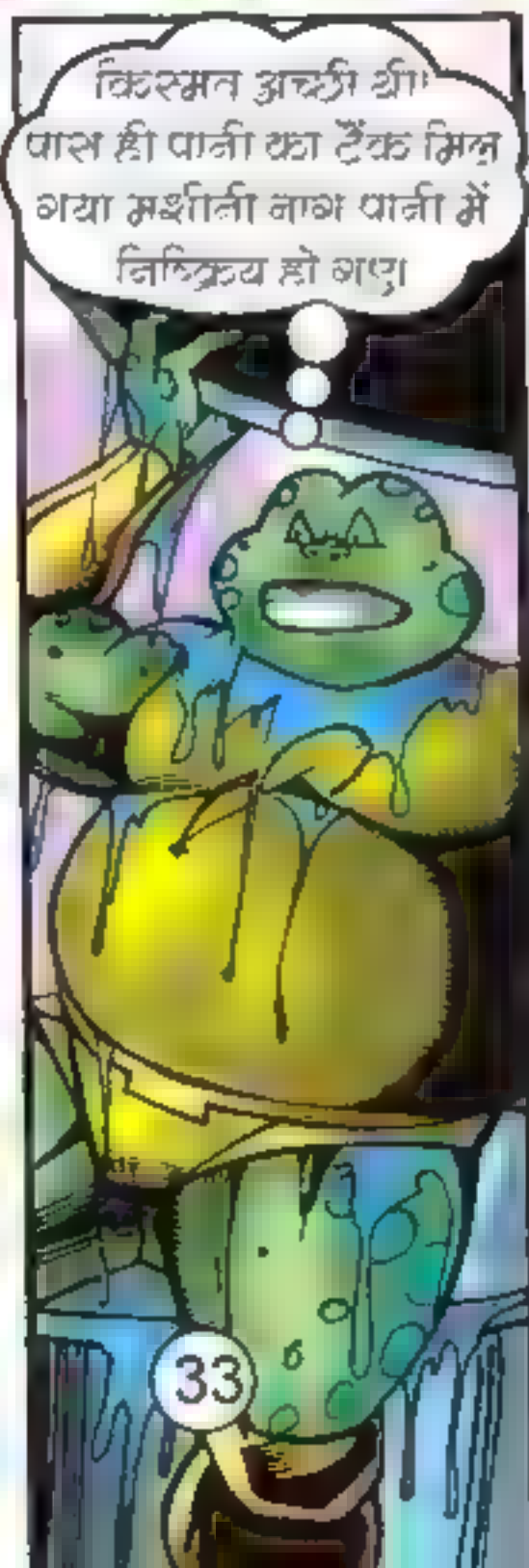


इतने छोटे छोटे
होकर गुण्डागर्दी करते हो।
यही सिखाया है तुम्हें तुम्हारे
मास्टर जी ने।

मैं खुद मास्टर
हूँ और मैं छोटा नहीं हूँ।
गुर्रर्रSSS!

ओSSSS!
ओSSSS! उफा
इसका शरीर तो गुच्छारे
की तरह फटने
लगा है।

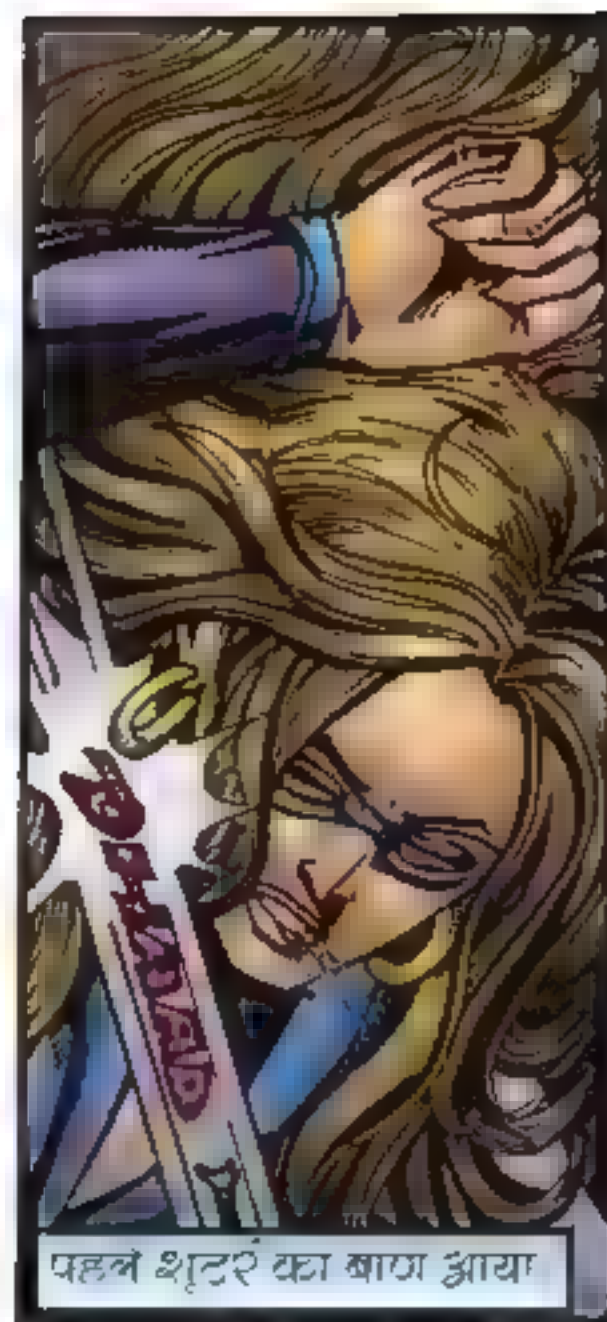
तुम मेंढकों का
देने के लिए कुछ तोहफे
हैं मेरे पास।





माफी माँच
आकर दो।





चट्टिका! ये
आतंकवादी नहीं हैं
बल्कि भोले भाले शर्मिले मगर
राजब के जांबाज फाउंडर
टोड्स हैं।

न्यूज़ पर जो टोड्स
दिखाए जा रहे हैं। उनका रंग ब्लैक
है और वो इनसे फिन्न हैं।

लेकिन टोड्स
तुम राजनगर में क्या
कर रहे हो?

हम तो सुपर
कमाएँ हो धुव जी को
खोजने आए थे।

टोड्स के जाने के बाद

वो तो
राजापुर गया
हुआ है।

मैं भी
चलनी हूँ।

और हम
उन्हे यहाँ दूँद
रहे हैं।

O.K.
चट्टिका!

कम्प्यूटर और कटर

कम्प्यूटर
तू ठीक तो
है ना?

तुम लोगों का
खून अब खतम
बुढ़कों!

हां।

अब नहीं
रहेगा। माफ करना
कम्प्यूटर

ध्वाड़!!

RAHHH!


कटर
के बच्चेSSS...
आSSह।

यही माफ
है दफन होकर रह
जायुगा शैतान।

मुझे दफन
करने के लिए ये देर बहुत
छोटा है बुढ़कों!

ध्वाड़

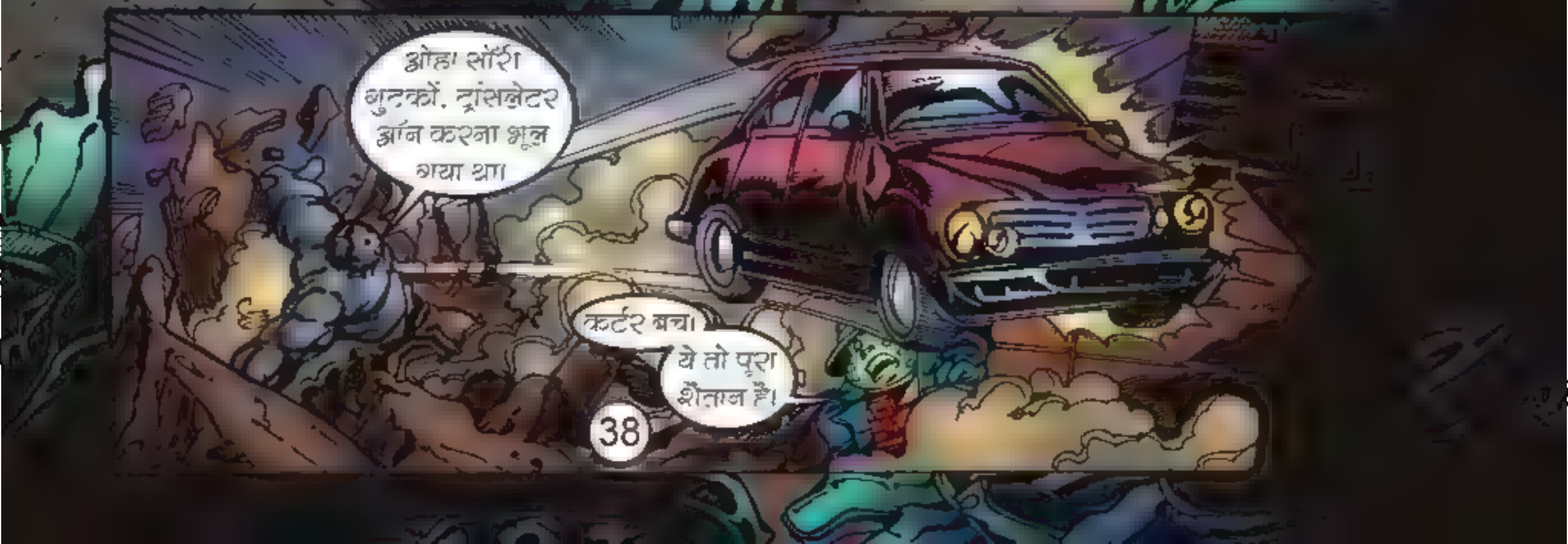
अब क्या?

A large, muscular green figure (Hulk) is shown in a state of intense anger, roaring with clenched fists. He is surrounded by a scene of complete destruction, with rubble, twisted metal, and debris everywhere. The background shows the skeletal remains of buildings.

HULKK WANTS
TO BE LEFT
ALONE.

अब य
कौन सी मुम्बीबन
आ गई?

और
ये बोल क्या
रहा है?

A red car is shown in a state of complete destruction, with its body crumpled and its wheels missing. It is surrounded by a scene of complete destruction, with rubble, twisted metal, and debris everywhere. The background shows the skeletal remains of buildings.

ओह! सॉरी
बुनकों, ट्रान्सलेटर
ऑन करना भूल
गया था।

कर्टर बचा।

ये तो पूरा
शौतान है!





तुम्हारे पैरों
नले से जमीन अभी
खिसकाता हूँ।

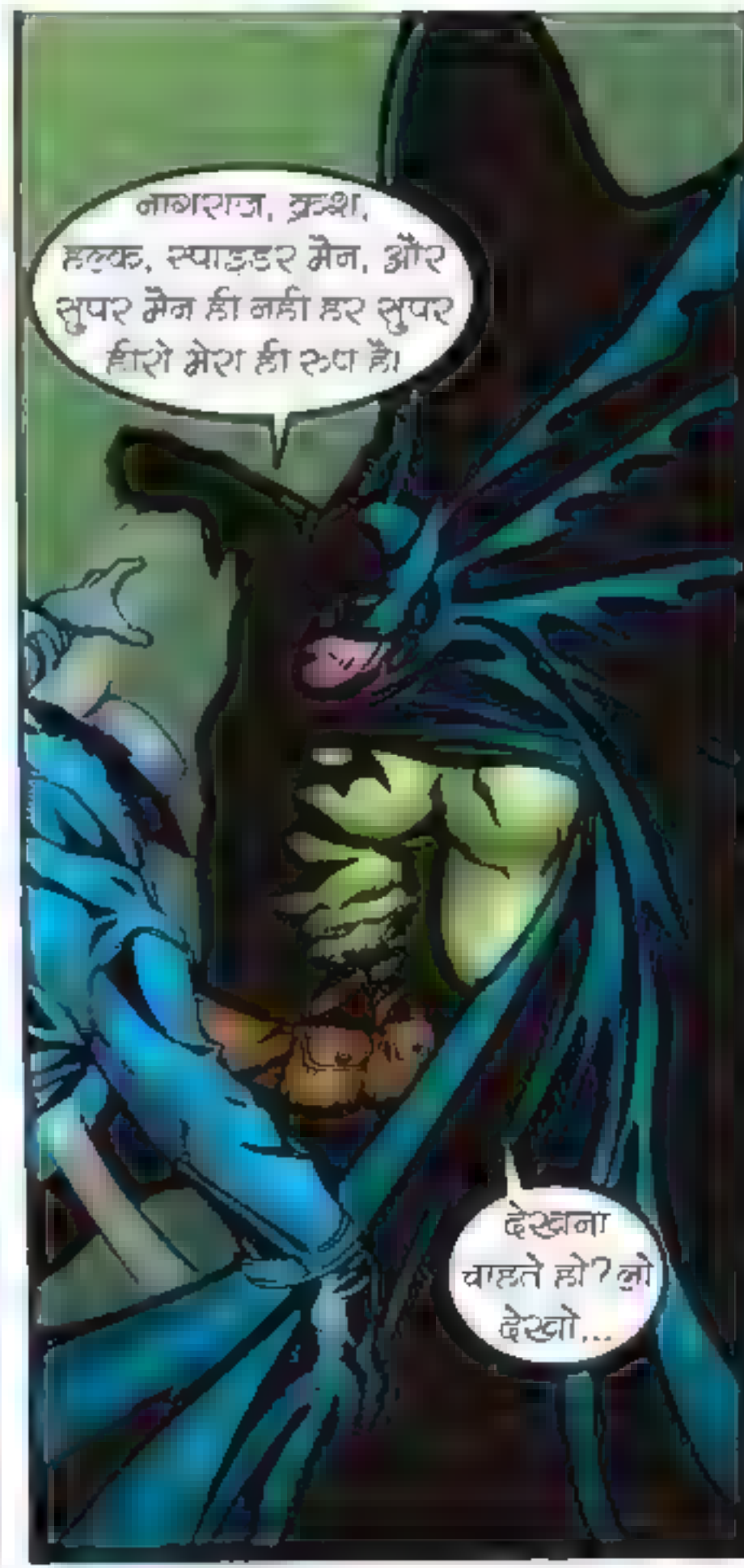


तुम्हारे दाँतों
को जबड़े से खिसका
कर।



और तू बुढ़के,
पीछे से वार करने की
सोच रहा था।

अब ये सुपरमैन
बन गया। यह है क्या चीज़?
कहीं क्रुश, कहीं हल्क, कहीं
नागराज, कहीं स्पाइडर
मैन।



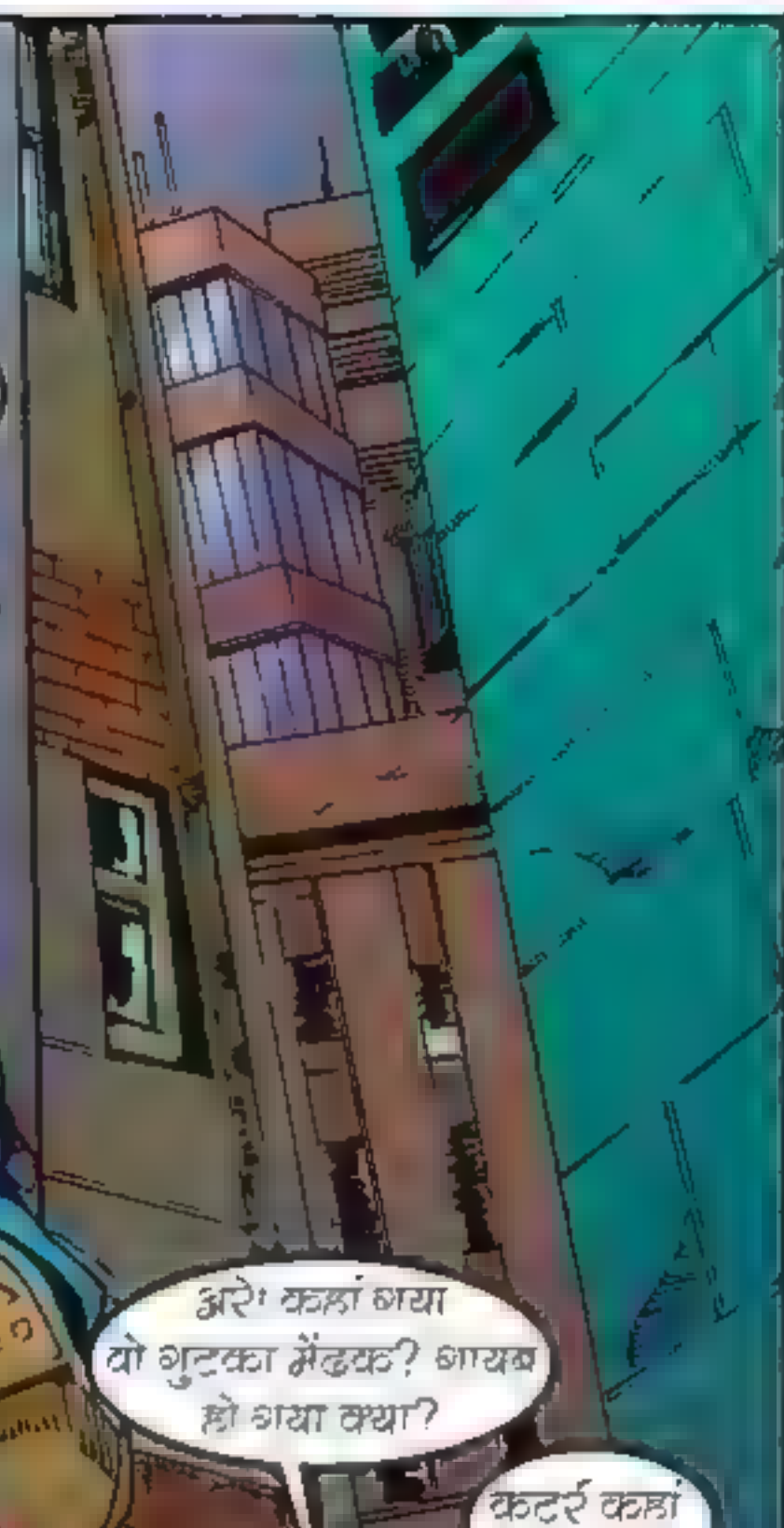
नागराज, क्रुश,
हल्क, स्पाइडर मैन, और
सुपर मैन ही नहीं हर सुपर
हीरो मेरा ही रूप है।

देखना
चाहते हो? लो
देखो...

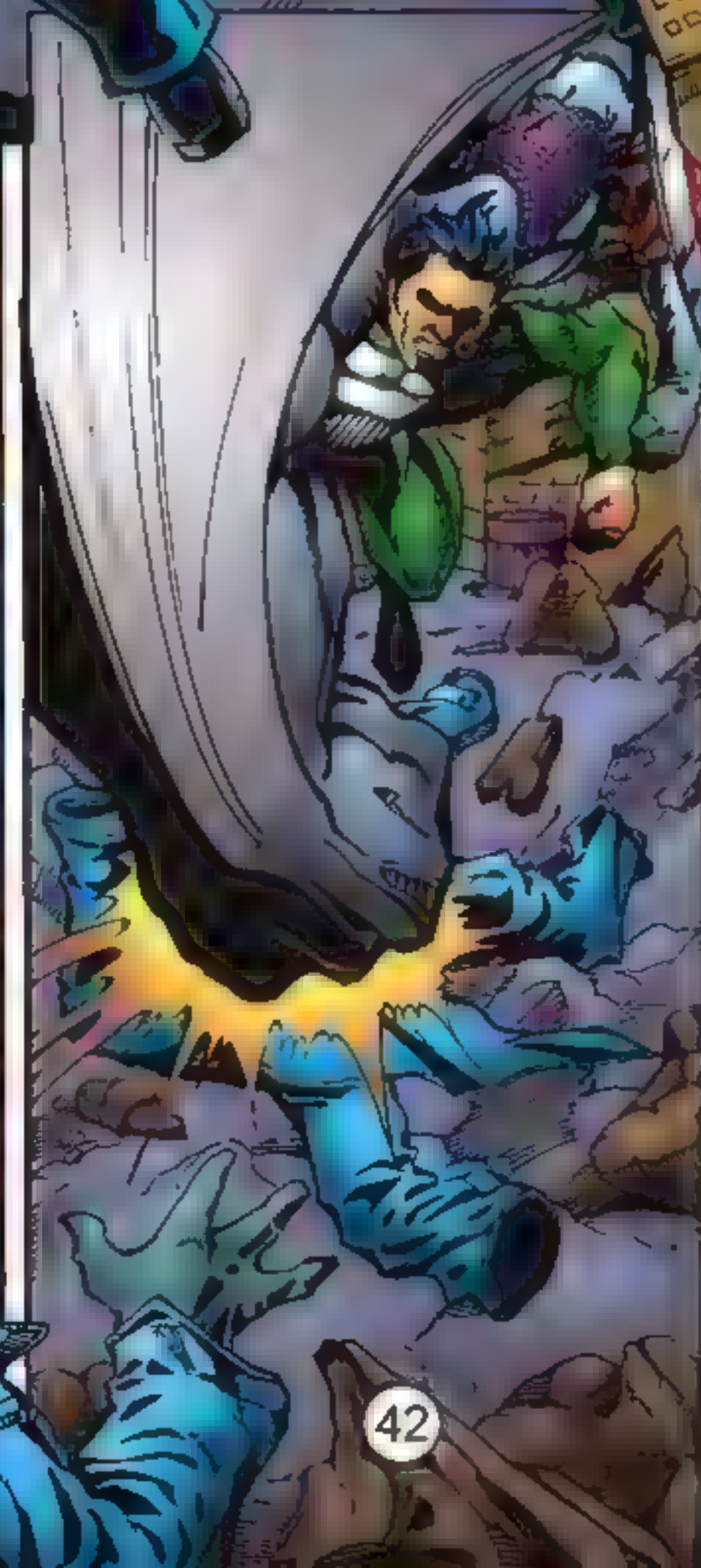
जब-जब पाप धरा पर आइ!! कथा जाई पुनि-पुनि दोहराई!!



जब जब तुम जैसे पापियों
का धरती पर आर बढ़ता है तब तब
उस आर को कम करने के लिए मैं
लेता हूँ अवतार... ये है मेरा ...
दशभावतार!



कट्टर कहाँ गया?

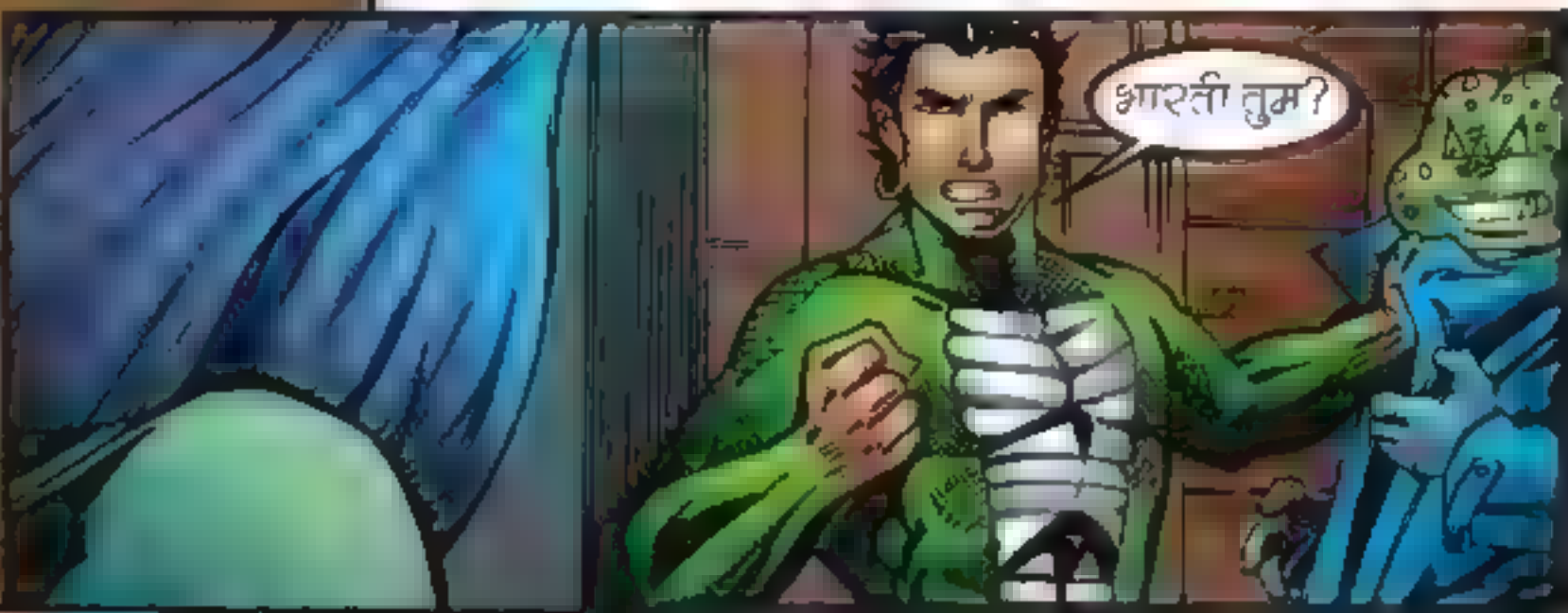




ये जहाँ गया
होगा तुझे भी वहीं
शेज देता हूँ।



रुक जाओ
नागराज!



भारती तुम?



हाँ नागराज! रुक
जाओ, ये फाइटर टोइस में
से एक कम्यूटर है।

ये आतंकवादी है।

नहीं! ये आतंकवादी
नहीं है। ये अपराध के
खिलाफ आवाज उठाने
वाले फाइटर हैं।



इनको ऑफिस में
पहली बार देखने के बाद
ही मुझे कुछ याद सा आ रहा
था। नेट सर्च करने पर मुझे
पूरी जानकारी मिल गई
ये फाइटर टोइस हैं।



राजापुर के कई छोटे
बड़े गैंगस्टर्स को जेल की हवा
खिलाई है इन्होंने।

मुझे याद आ
रहा है नागराज ने इनका एक
बार जिक्र किया था। नागराज ने मुझे
बताया था कि टोइस उसके
मित्र हैं।

फिर आतंकवादियों
के श्रृंख से मिलना इनका
हुलिया?



सपना सच हो रहा है। मैंने सबको छोटे मेंदक में बदलने देखा था लेकिन ऐसा हुआ कैसे?

कम्प्यूटर में पिछड़ी भर का कैसे हो गया? अब इतने छोटे से पेट में तो एक कीड़े से अधिक के लिए भी जगह न होगी।

"चुप कर पद्मला।"

"अब तो इसके बारे में टोडदेव ही बता सकते हैं या फिर मां।"

क्या? शूटर्स भी छोटे टोड में बदल चुका है।

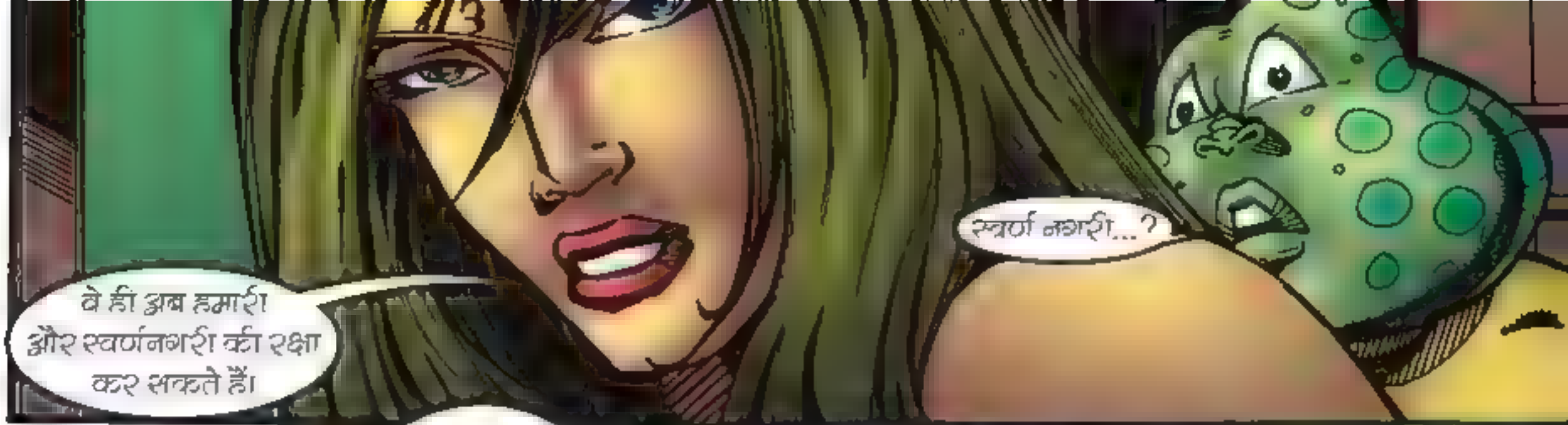
टोड्स में अपनी लैब में कुछ प्रयास करती हूँ। शायद तुम्हें ठीक कर सकूँ।

तुम सभी का छोटे टोड्स में बदलने का कारण है तुम्हारा म्यूटेशन लेवल जीरो होना।

वास्तव में तुम सभी म्यूटेड्स हो मैंने तुम्हें विकिरणों की सहायता से बनाया था।

एक निश्चित समयावधि के बाद वो म्यूटेशन लेवल जीरो हो जाता है। फलस्वरूप तुम सभी वापस टोड में बदल जाते हो। ऐसा पहले भी हो सकता था पर समय खत्म होने से पहले मैं ही म्यूटेशन लेवल नार्मल कर देती थी।

लेकिन अब स्थिति भिन्न है। जहाँ पर तुम्हारा निर्माण हुआ था वहाँ पर अब शैतानों का कब्जा है। बच्चों, वहाँ पर टोडदेव भी बेबस हैं। अब हमारी सहायता कोई कर सकता है तो वो नागराज और सुपर कमाण्डो धुव हैं।



वे ही अब हमारी
और स्वर्णनगरी की रक्षा
कर सकते हैं।

स्वर्ण नगरी...?

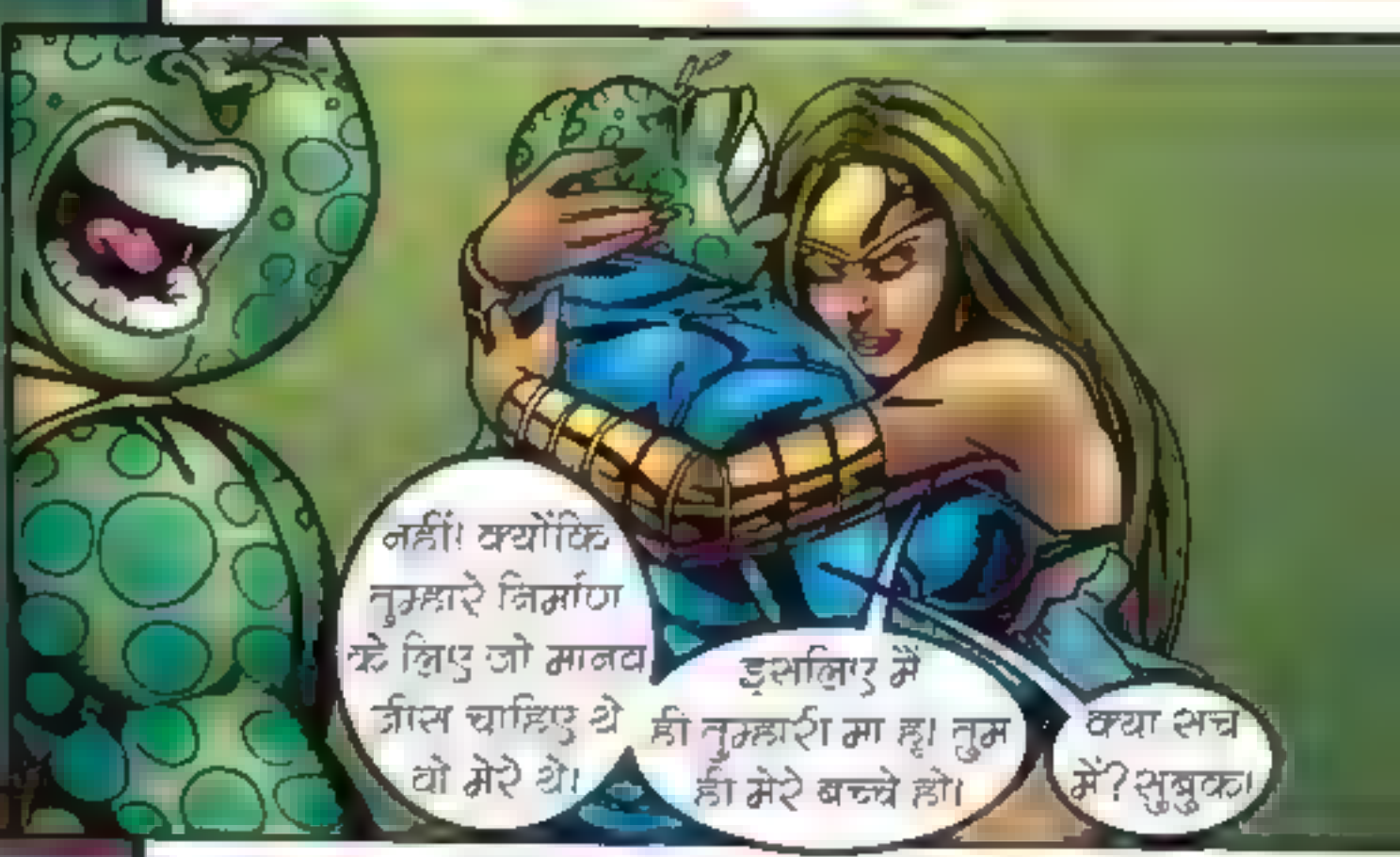


हां स्वर्णनगरी।
तुम्हारे निर्माण स्थान
का नाम स्वर्णनगरी
है। इसकी जानकारी
धरती पर केवल
नागराज और ध्रुव
को ही है।



आपने हमारा निर्माण
किया है? मतलब आप हमारी
मां नहीं हैं। ऊवांSSSS

मतलब कि
हम आपके बच्चे नहीं
हैं। ऊवांSSS!



नहीं! क्योंकि
तुम्हारे निर्माण
के लिए जो मानव
जीस चाहिए थे
वो मेरे थे।

इसलिए मैं
ही तुम्हारी मां हू। तुम
ही मेरे बच्चे हो।

क्या सच
में? सुबुका।

पर मास्टर... हमें
कुछ खाने को तो दे दो।
इस लाचार टोड पर तरस
खाओ। ग्रीष्म अग्नी पहले
गैसी लुंकी होती तो खुद ही
कीड़े पकड़कर डकार
जाना। बूहहह।



हां मेरे
बच्चों।

टोड्स!
जरा यहां
आना।

ओह
नौकी जी बुला
रही हैं।



अग्नी रुक
पेट। समय नहीं
है अग्नी।

पित्ररे के मेंढक
रेSSS तेराSSSद्वंद्व न
जाने कोर्ड।

मुर्सीबनों पर मुर्सीबनें
बढ़ती जा रही हैं। ना जाने वहां
स्वर्ण नगरी में धनंजय
और बाकियों का..

ब्लैक टोड्स ले
आओ शिल्पात्री को
स्वर्ण नगरी में

मां!

मास्टर वो
मुंडू नासपीटे मां को
ले आए।

कम्प्यूटर
हमें स्वर्ण नगरी
जाना होगा..

लेकिन मास्टर
स्वर्णनगरी जाने के
लिए हमें पहले नागराज
जी और ध्रुव जी को
खोजना होगा।

आकाश!
आप अपनी
ही ऐसी तैसी
क्यों करवा
रहे हैं?

मास्टर! तेरा
म्यूटेशन लेवल 300
पार हो गया।

चुप कर चमचे
के बच्चे। इनके
सालों में तू और
तेरी जुबान नहीं
सुधरी। आकाश...
आकाश... आकाश।

तुझ कहा था न कि मुझे ब्रांस कहा
कर। अगली बार अगर तेरे मुंह से आकाश
निकला तो यहां से बैठे बैठे मिसाइल का
पहला निशाना तुझ पर ही लगाऊंगा।

नहींSSS! ऐसा मन
करना मेरे आकाशSSSश
मेरे आकाश पाताल के
अनवरान!

प्रोफेसर स्पून

क्या
हुकम है मेरे
आकाश?

अरे! तुम्हारे
आकाश की तो
ऐसी की तैसी।

ब्रांस! नागराज और
ध्रुव ने मध्यनगर के सारियल
ब्लास्ट की योजना को ध्वस्त कर दिया
है। हमारे आइडी पुलिस की चंगुल में
हैं। मगर उन्होंने अपनी जुबान
नहीं खोली है।

जुबान खोलने से पहले ही
उनकी जुबान और सांसें
दोनों को बंद कर दो।



वो तो ठीक है बॉस
पर नागराज और ध्रुव के होने
हुए ये काम आसान
नहीं।

"उनकी चिता तू मन कर चमचे!"

"उनसे निपटने के लिए मैं तुझे ऐसे ऐसे हथियार देगा कि."



"ये क्या था चमचे? फिर
से ब्लास तोड़ दिया नून?"

ब्लास नहीं बॉस,
अब तो हड्डियां टूटने का
टाईम आ गया है।

प्रोफेसर स्पून तुम्हारा
खेल अब हमेशा के लिए खत्म
हो गया समझो।



મા મારા
સાથ સહન કર
શકતા છે.

જાણો છો કે આ પુસ્તક ૪
કોઈ સિદ્ધાંતની સમજૂતી કરે છે.

CHHAPRAK

ओह!

WHAT THE
HELL...

अब यह
किस तरह की
मूर्खता है?

इस तरह के
हमले की उम्मीद नहीं
की थी मैंने।

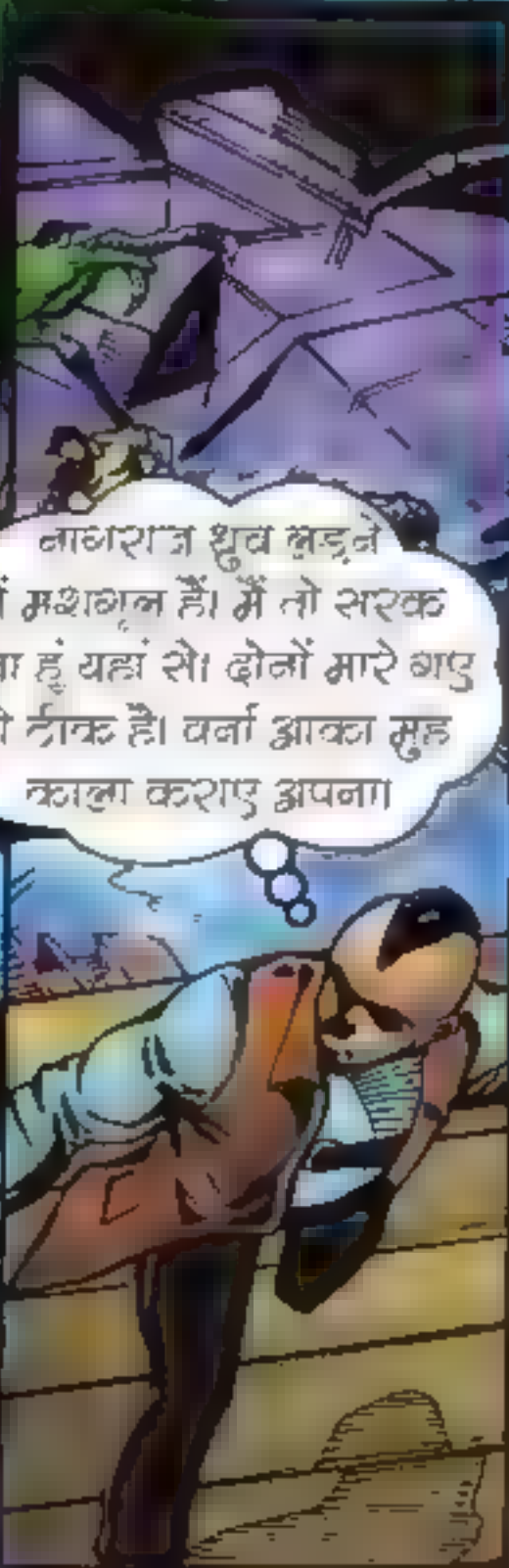
मुझे एका एक
लग रहा है कि हम स्टार वॉर्स
मूवी के शूटिंग सेट पर
आ गए हैं।



हां! पर ये
शूटिंग नहीं हो
रही है धुवा! इन्हें स्पेशल
इफेक्ट्स समझने
की शूल की तो..

हवका!

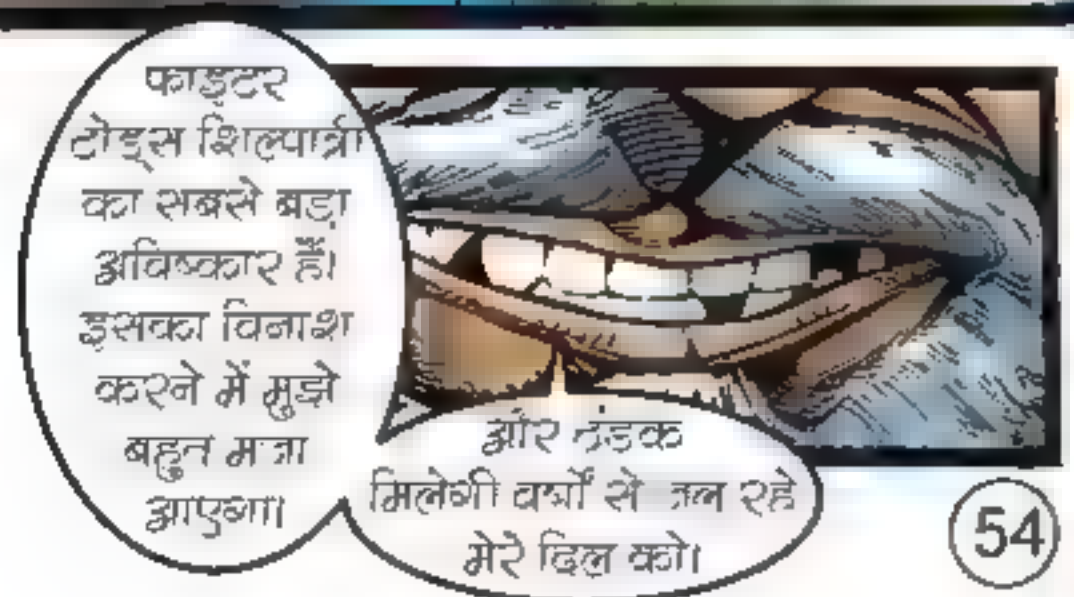
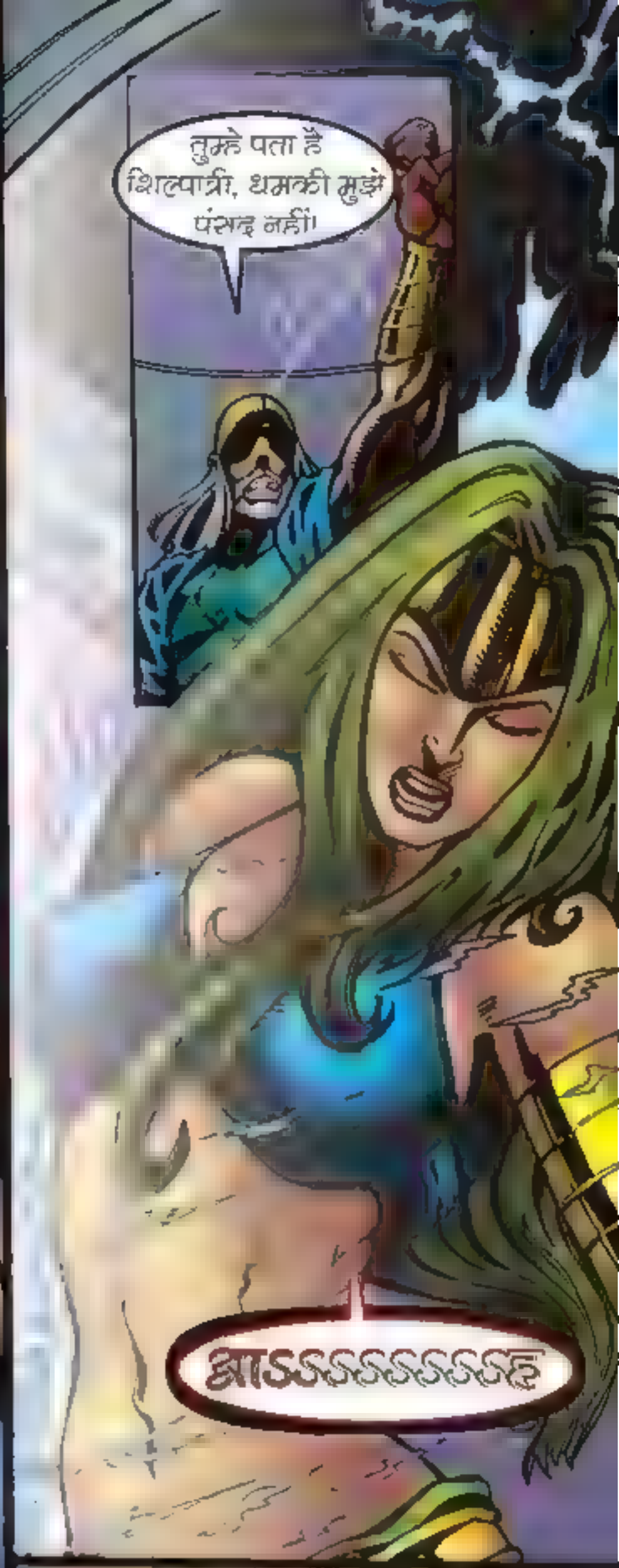
..तो हमारी
आत्माएं शरीर
से स्पेशल इफेक्ट्स
बन कर निकल
जाएंगी!



नागराज धुवा बड़ने
में मशगूल हैं। मैं तो सरक
लेना हूं यहां से। दोनों मारे गए
तो टीक है। चर्चा आका मुह
काला कराए अपना।



आ गया होश
तुम्हें शिल्पात्री?



रसीला! यार
स्वर्णनगरी पहुंचा दे। मेरे सारे
भाई मेंढक बन गए हैं।

स्वर्णनगरी!
वो कहाँ पर है
श्वेत्या?

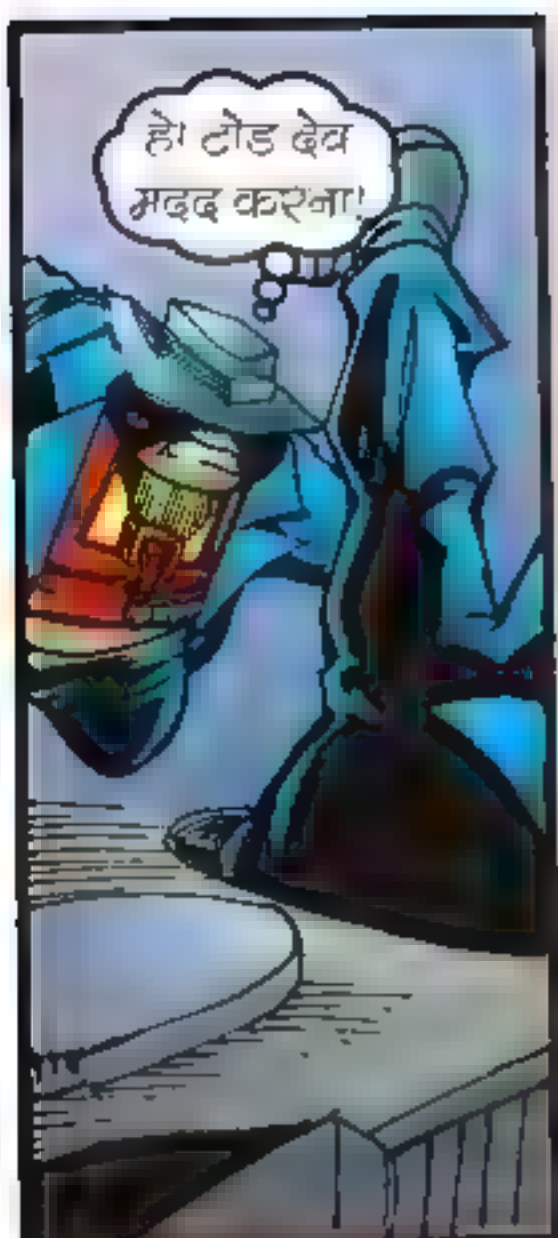
स्वर्ण
नगरी इसे हम
पहुंचा देंगे

ये ब्लैक टोइस, इन्होंने
ही किया है मम्मी का किडनैप।
यही पहुंचा सकते हैं मुझे
स्वर्णनगरी।

मुझे न केवल
अपने भाईयों को बचाना है
बल्कि इन कमख़तों से
श्री निबटना पड़ेगा।

पर आज समय
है कि इन हाथों का
प्रयोग करूं अपनी जेब में
रखे हुए अपने भाईयों,
मां और दोड़देव की
रक्षा के लिए।

आज तक सिर्फ
कम्प्यूटर के बटन ही दबाने
आपु हैं ये हाथ।





नागरात्र! इन
AMPHIBIAN प्राणियों को मैंने
पहले भी कहीं देखा है।

इन
खतरनाक
समुदाय प्राणियों
का आतंवादियों
के पास होना
अच्छा संकेत
नहीं है।



पहले ब्रॉम्ब
ब्लास्ट्स और
अब इन प्राणियों
की यहाँ मौजूदगी
दर्शा रही है कि जो
श्री इस मामले के
पीछे है...

उसकी योजना
सिर्फ आतंक फैलाना
नहीं है।

कोई भयंकर गह्वर
अपना सर उठाने की चेष्टा
कर रहा है ओपफ!



ओह! नागराज
उस प्राणी के वार से
बच नहीं पाया।



DON'T
WORRY नागराज!
मैं आ रहा हूँ।



चिंता हमें नहीं शुच,
अब इन प्राणियों और ब्लाइंड्स
के पीछे मास्टर माईंड्स
को करनी है।

अब और समय
बर्बाद नहीं करेगा
नागराज।



सही कहा!
और समय बर्बाद
करने का कोई अर्थ
ही नहीं है।

क्योंकि मुझ
समझ आ गया है ये
प्राणी कहाँ से आ
रहे हैं।



प्रोफेसर स्पून न
बाहर जाने का रास्ता बंद
कर दिया है।

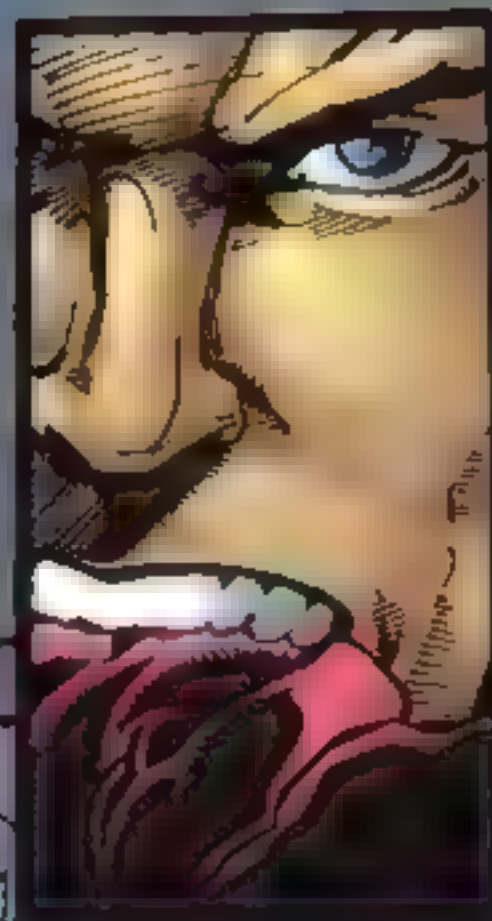
छत फोड़कर
बाहर निकलने का रास्ता
बनाना होगा।

अगर मैं सही हूँ तो
मैंने इन सभी प्राणियों को
स्वर्णनगरी में देखा है।

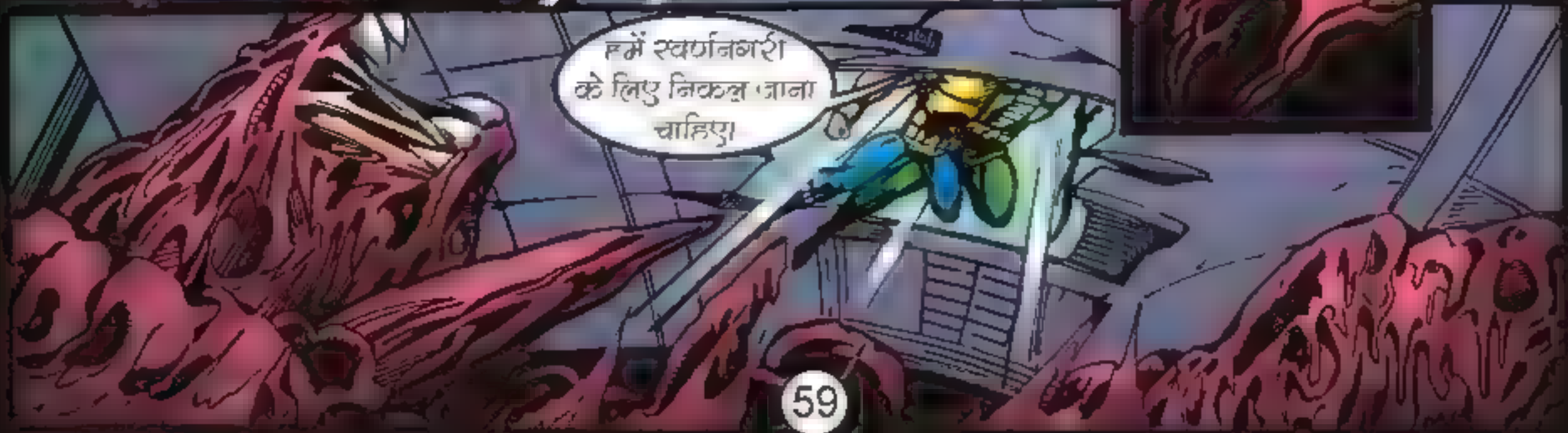
क्या? स्वर्णनगरी
के प्राणी इन आतंकवादियों के
पालतू कैसे हो गए?



मेरे विश्व
इंश को झेल नहीं
पाएँगे ये।

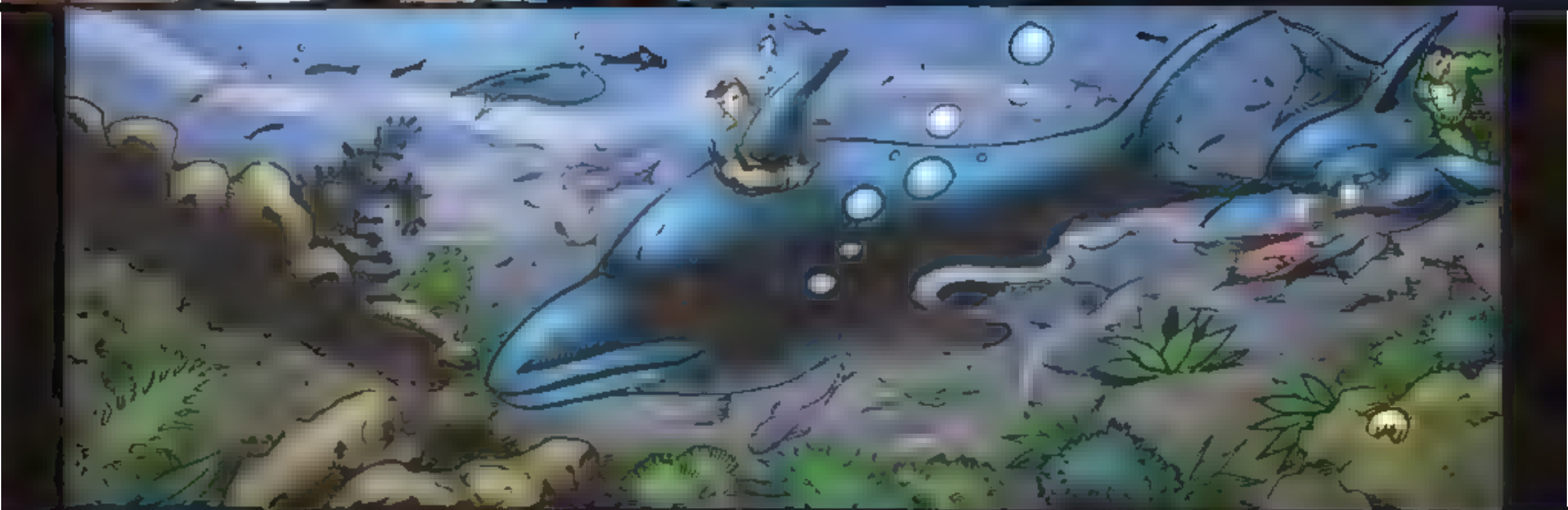



हमें स्वर्णनगरी
के लिए निकल जाना
चाहिए।



रात्रनगर समुद्र तट-

यहीं से हमें
मिलेगी स्वर्ण नगरी के
लिए सवारी।





आने दो यही स्वर्णनगरी
अब उनकी मृत्युनगरी बनेगी क्योंकि
स्वर्णनगरी में प्रवेश करने ही...

मतलब
साफ है!

".. उनका सामना होगा स्वर्ण
नगरी के स्तम्भनाक कैदियों से!"

आह! हमारे स्वागत
की तैयारी पहले से ही कर
रही है दुश्मनों के।

हमारे यहाँ आने
का आग्रह पहले से था
उन लोगों को।



ये सारे स्वर्ण नगरी के कौड़ी थे। इनके ऐसे आजाद घूमने का मनलख अद्बद् बहुत भारी है। स्वर्ण नगरी के अन्य नागरिक व रक्षक नजर नहीं आ रहे हैं।

हमें सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए।

अद्वक तुम्हारे सारे खतरनाक नमूने, नमूने ही साबित हुए।

हैथ चेंबर से बचकर निकल पाना इनके लिए संभव नहीं होगा।

बस हमें मक्कारी से काम लेना होगा।

वो तो हम में कट्ट कट्ट कर भरी हुई है।



सारी स्वर्ण नगरी
में मरघट सा सन्नाटा
छाया हुआ है। कहीं ये
तूफान से पहले की
शांति तो नहीं।

नामराज जी,
नामराज जी
धुव जी,
धुव जी।



फाइटर दोस्त
तुम यहां? और तुम्हारे रंग
को क्या हुआ।

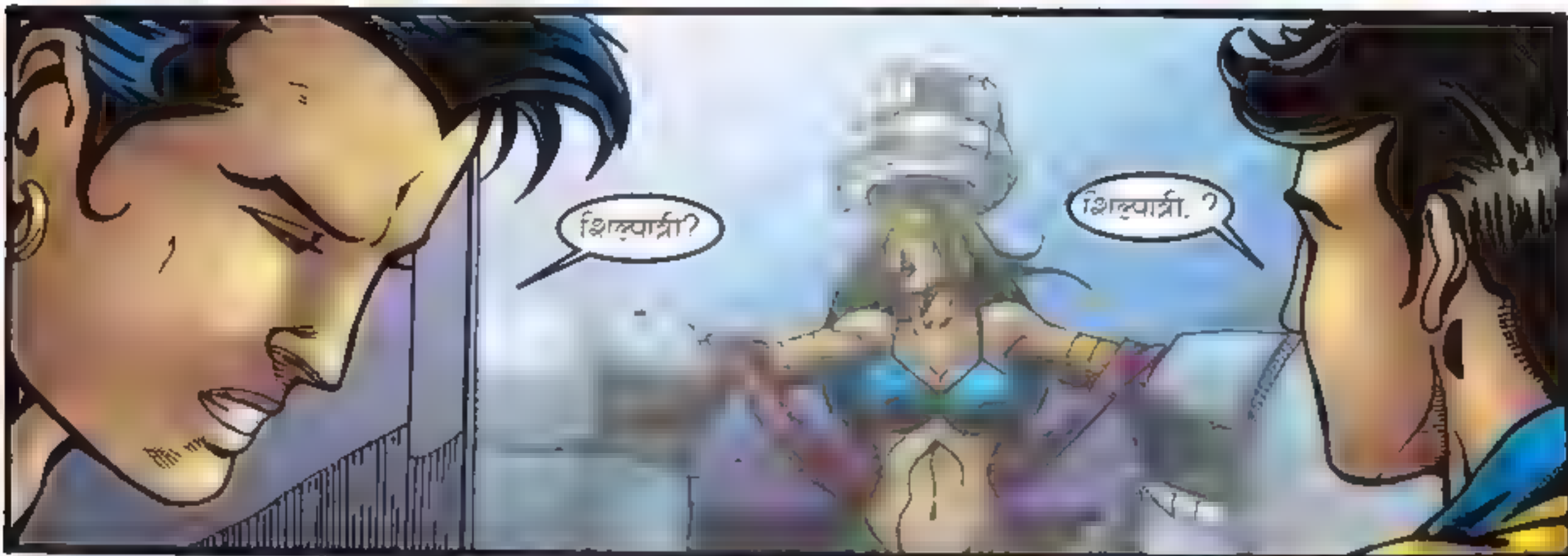
थनत्रय न इन्हें स्वर्ण नगरी
का रहस्य बना दिया क्या?



दुश्मन ने हमें
बिमार करके कमजोर
कर दिया है जिस कारण हमारा
रंग भी काला पड़ गया है और
हमारी मां को भी कैद
कर लिया है।

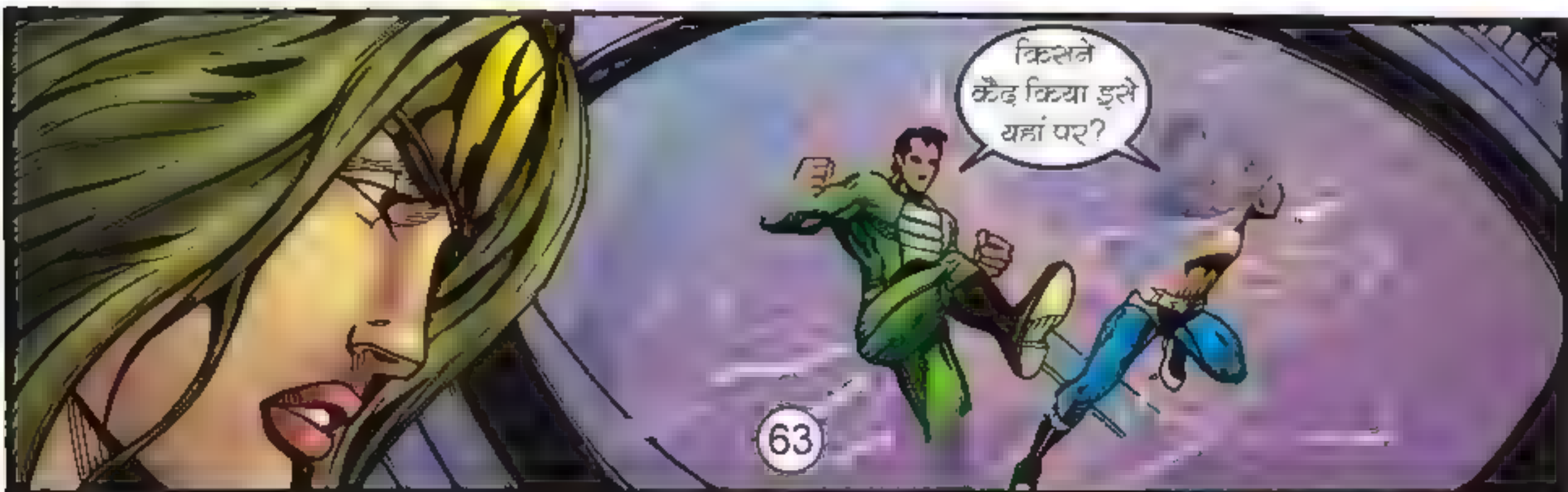
हमारी
मां को बचा
लिजीड

तुम्हारी
मां??



शिल्पात्री?

शिल्पात्री?



किसने
कैद किया इसे
यहां पर?

जिसने तुम्हें
कैद किया।

डैश चेंबर में।

आह! धोखा
शिल्पात्री की थी डी डूमेज
यहां पर प्रेषित की
जा रही थी।

दुनिया के मनु
आवाहन, मांबा और भद्रक
के दरबार में तुम्हारा स्वागत
है नागराज और सुपर
कमाण्डो ध्रुव।

शान मांबा।

शिल्पात्री कैद
है। धनंजय कहाँ गया?
और तुम्हारे साथ ये स्वर्ण
मानव???

हाहाहा। धनंजय
की जगह पर अब हम
हैं और धनंजय हमारी जगह।
यानि कि स्वर्ण नगरी के
कारागार में कैद है।

परन्तु हमने अपने ही हाथों अपने
पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली। बेहोशी की अवस्था
में धनंजय के दिमाग को स्कैन कर पाना
असंभव था।

बची थी शिल्पात्री,
जो कि तुम्हें ही दूंदने
निकली थी।

और इसका सारा श्रेय जाता है। इस स्वर्ण
नगरी के कलियुगी विभीषण श्री भद्रक जी को। इन्हीं की
सहायता से तख्ता पलट किया है मैंने यहां का।

अब हम बनेंगे स्वर्ण नगरी
के साथ इस पूरी पृथ्वी के आवाहन।
शिल्पात्री यदि कैद से ना आती होती तो अब
तक तुम कीड़े मकौड़ों की तरह हमारे
कदमों में रेंगने नजर आने।

राजनगर और महानगर में किए
गए छोटे-मोटे सैरियल ब्लास्ट्स हमारे विश्व
विजय अभियान का ही हिस्सा थे। वो सारे बॉम्ब्स
पूरे महानगर और राजनगर को खाक में
मिलाने के लिए काफी थे।

पर विडम्बना ये थी कि
भद्रक के पास उन विस्फोटकों
का स्टॉक उयादा नहीं था।

दुनिया पर राज
करने के लिए चाहिए थे और
विध्वंसक इशियार।

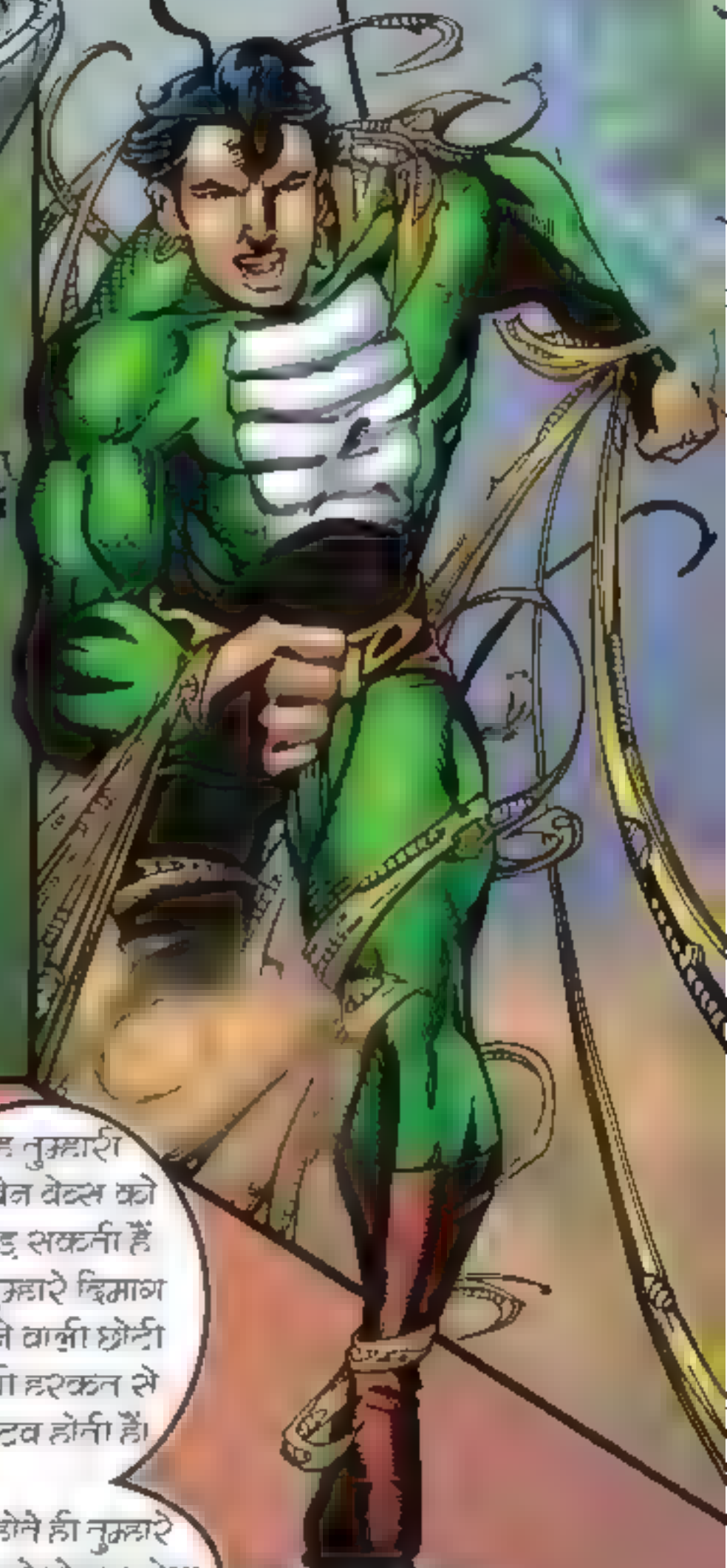
जो कि स्वर्ण नगरी के
प्रक्षेपास्त्रागार में थे और प्रक्षेपास्त्रागार
को खोलने का तरीका पता
था धनंजय को।

पर अब कोई चिंता नहीं।
शिल्पात्री के दिमाग को स्कैन
कर भद्रक महान ने जान लिया
स्वर्णनगरी के शस्त्रागार को
खोलने का तरीका।

हमने दुनिया की सारी प्रमुख
जगहों को निशाने पर ले रखा है।
अब पूरी दुनिया को हमारा हुकूम मानना होगा।
स्वीकार करनी पड़ेगी हमारी दासता। अब
दुनिया को बनाना, संवारना, नष्ट करना हमारे
हाथ में है। अब दुनिया के ईश्वर, हम हैं। विष्णु
हम हैं और ब्रह्मा भी हम हैं क्योंकि हमारे
पास है ब्रह्मास्त्र हाहाहाहा।

तुम्हारी सारी
योजनाओं को ध्वस्त कर
देगा नागराज।

ऐसा न
करना नागराज
वर्ना..



तुम्हारे दिमाग
को लगेगा गहरा
झटका।

क्योंकि कमरे की चारों
ओर की दीवारों में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक
तरंगों का जाल है। जिसे कंट्रोल कर
रहा है मेरा सुपर कंप्यूटर।

यह तुम्हारी
उन ग्रेन वेक्स को
पकड़ सकती हैं
जो तुम्हारे दिमाग
में होने वाली छेदी
सी भी हरकत से
पुष्टि होनी है।

ऐसा होने ही तुम्हारे
दिमाग को झेलना होगा
एक गहरा झटका।

बचाव के लिए
सोचे गए तरीके को भी यह
वेव तुरंत पढ़ कर असहनीय
झटके का झंजाम
कर देगी।



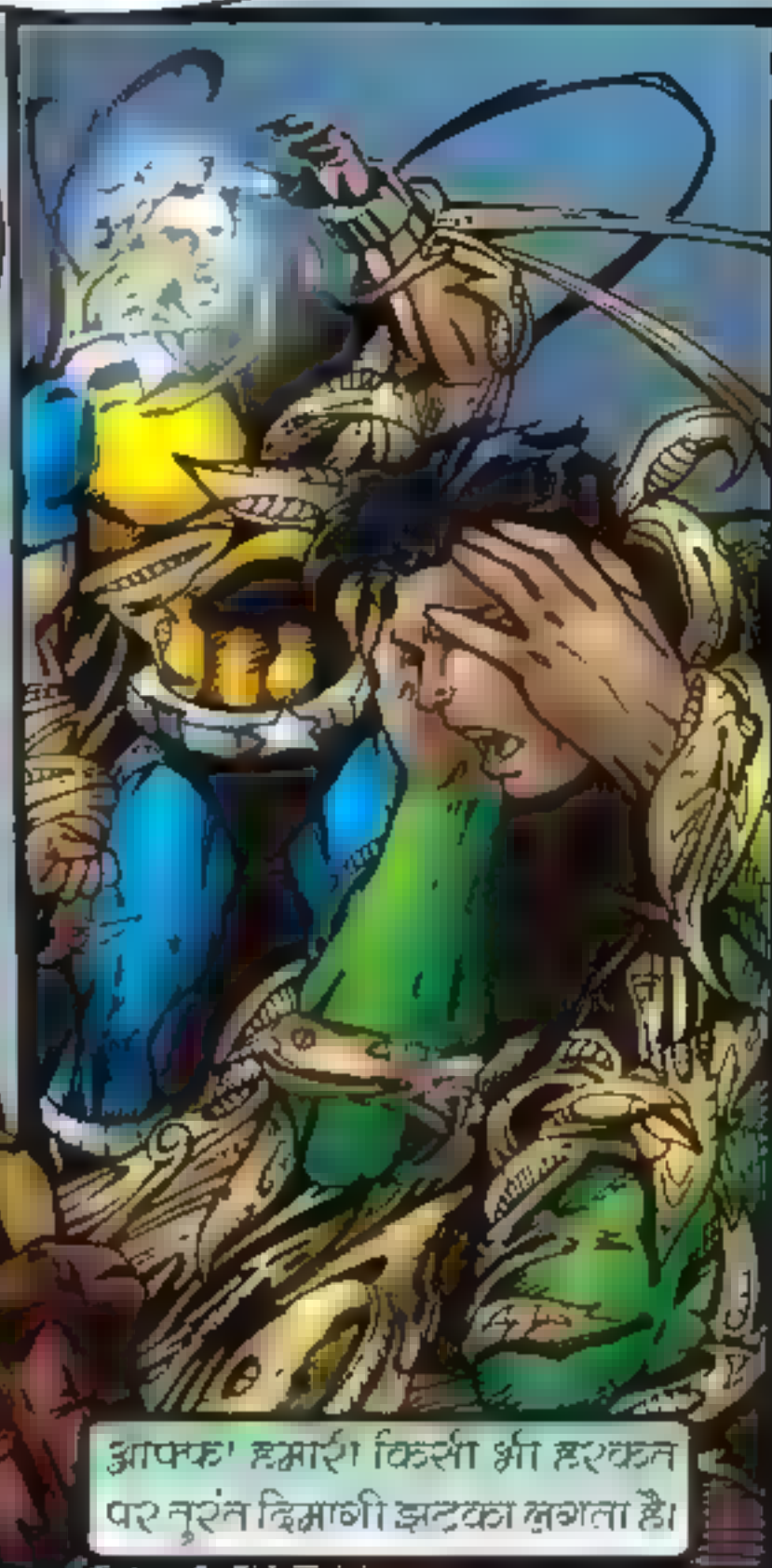
शुद्धक महान
ने तुम्हारी सारी
शक्तियों का गहन
अध्ययन करके तुम
दोनों को कैद करने
का इंतजाम
किया है।

संसार के
सभी बड़े देशों
को हमारी हुकूमत
स्वीकार करने का
संदेश भेज दिया
गया है।

अगर आधे
घंटे में हमारी शर्तें
स्वीकार न की गईं
तो हम 'श्रीलंका'
को जीवन रहित
कर देंगे।

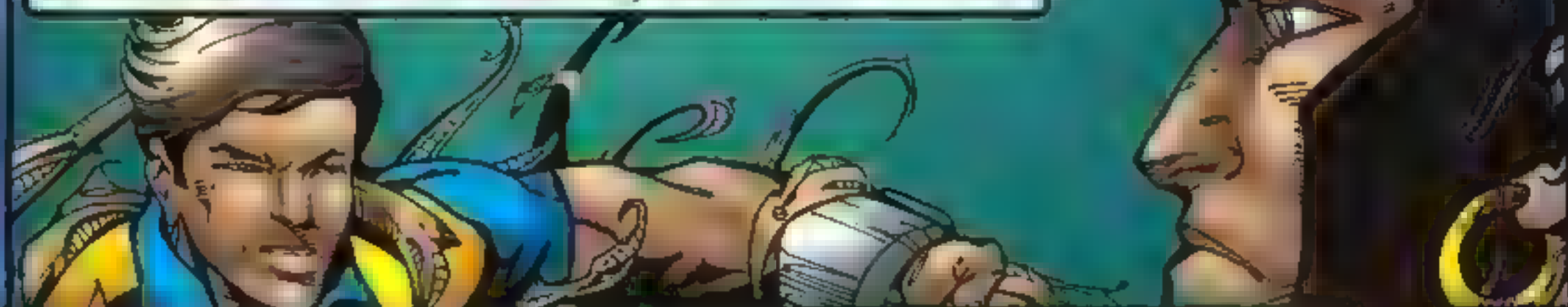
हाहाहा! हम
अधिक लोगों को मारने के
मूढ़ में नहीं हैं। श्रीलंका की आबादी श्री
कम है। इसलिए पहले अपनी ताकत
दिखाने के लिए हम उसे ही
जीवन रहित करेंगे।

हम चाहते
हैं कि जब दुनिया
पर हमारा कब्जा हो
तो हमारे अनुयायियों की
संख्या अधिक से
अधिक हो।



आपका हमारा किसी भी हरकत
पर नुरंत दिमागी झटका सुनाता है।

इस तरह तो हम झटके खा खा कर मर जाएंगे और शुद्धक व माया सफल..



नहीं! इस तरह नहीं अर्भी एक तरीका है इस मर्सीबन से बचने का।



पर उसके लिए मझे खाने होंगे ये असहर्नम्य दिमागी झटके



मुझे हर हाल में सफल होना
होगा! होना ही होगा!



WHAT THE...
धुव के दिमाग को
झटका क्यों नहीं
लगा रहा?

सुपर कंप्यूटर
उसकी दिमागी हरकतें क्यों
नहीं पढ़ पा रहा?

DESTROY!



DESTROY!

ये... ये
पागल हो गया
है क्या?

DESTROY

उफ!
कुछ करो
भाइयों!

उफSSS!
कुछ समझ नहीं
आ रहा है।

यह क्या? ध्रुव ने
नष्ट कर दिया डैथ चेंबर के
बाल को। असंभव।

घोर असंभव।

असंभव सा
असंभव।

बस करो
ध्रुव, डैथ चेंबर हिरनोय
हो चुका है।

ऐसा कैसे हो गया? सुपर
कम्यूटर ने काम करना बंद
कर दिया था क्या?

कैसे
किया ध्रुव ने
यह सब?

यह सब ध्रुव ने
मेरे नीचे सम्मोहन में
फंस कर किया।

सम्मोहन के
कारण ध्रुव के दिमाग में
बस एक ही कमांड एक्टिव थी
किसी भी हाल में डैथ चेंबर
को नष्ट करना

उसके लिए ध्रुव के
दिमाग में लल रहे झटके भी कोई
मायने नहीं रखते थे।

BOOM

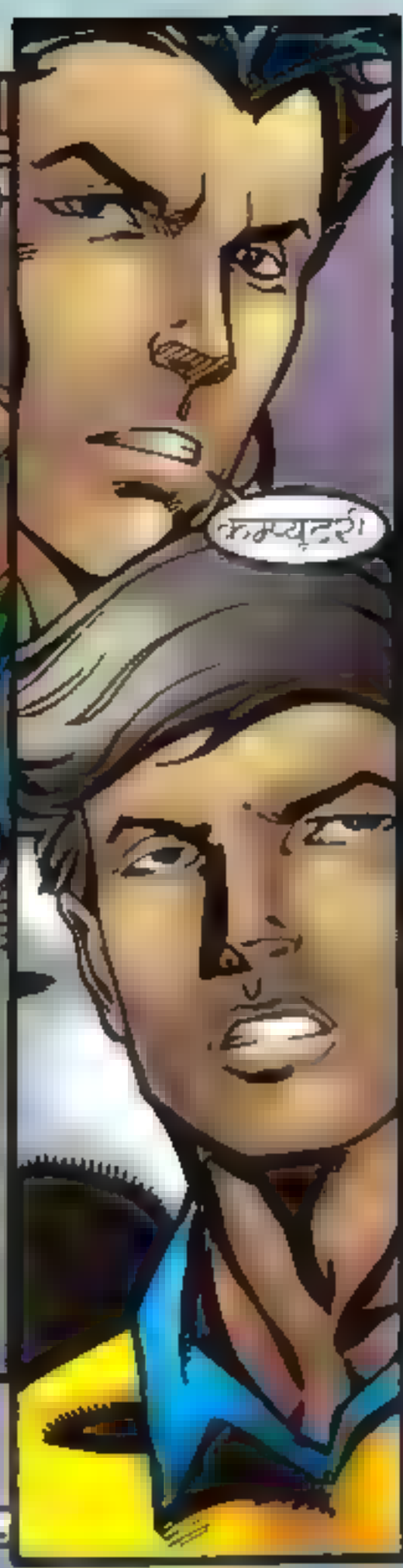
ध्रुव को बस
हर हाल में मेरा आदेश
पूरा करना था। सो उस
ने पूरे डैथ चेंबर को
ध्वस्त कर दिया।



पर ये सब
करके भी तुम
लोग खच नहीं
पाओगे।
ब्लैक टोड्स
खात्म कर दो
इनको।

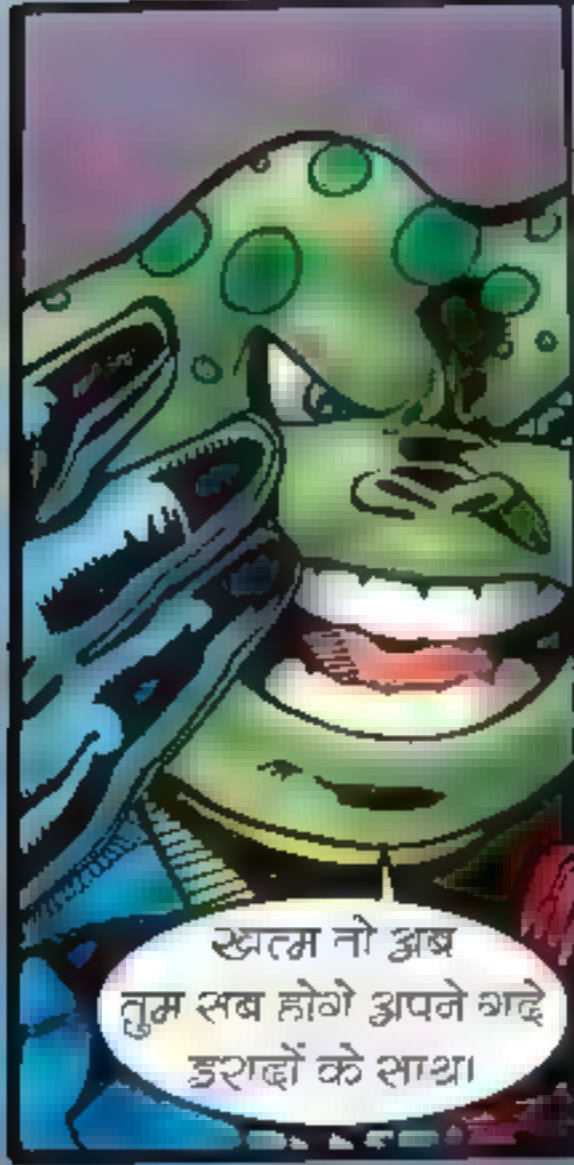
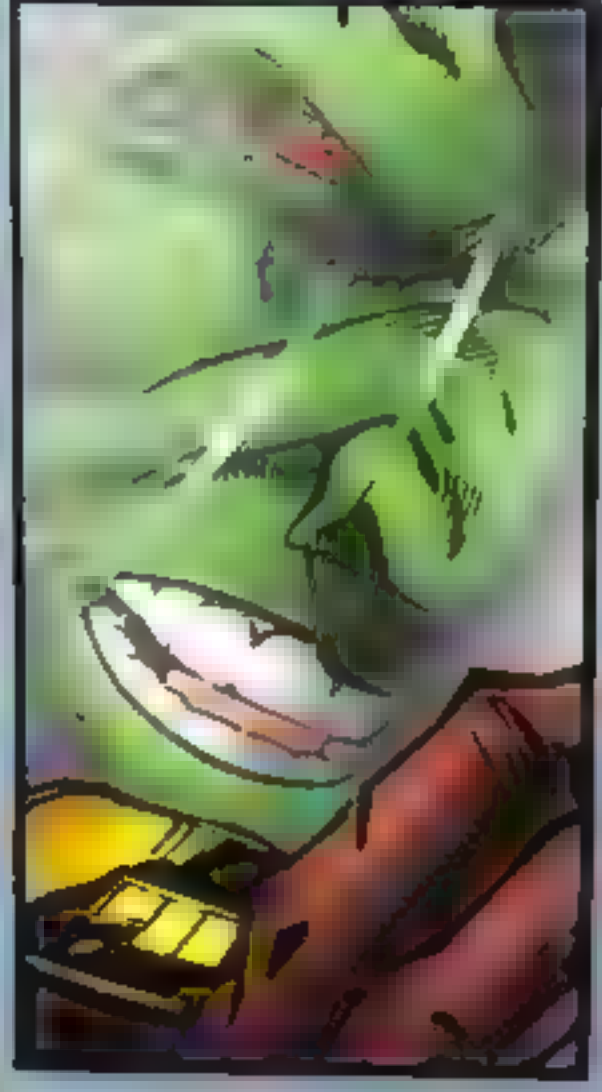


रुक जाओ मरदूदों।
नागराज जी, ध्रुव जी से लड़ने
से पहले तुम्हें हमारी लाश पर
से गुजरना होगा।



कम्प्यूटरी।

यह नामाकूल मेंढक
यहां कहां से आ गया? इसे
तो ब्लैक टोड्स ने खात्म
कर दिया था।



खात्म नो अब
तुम सब होगे अपने गढ़े
इरादों के साथ।



TOADS ACTION....

खलनायकों की
ऐसी की तैसी।

अरे! इन सबका
म्यूटेशन लेवल नॉर्मल
कैसे हो गया?

सत्यानाश।



"जब मेरा ब्लैक टोड कंप्यूटर मुझसे लड़ने हुरद गटर में अंदर आ गया था। मैंने शार्ट सर्किट के द्वारा उसकी खोपड़ी उड़ा दी।"

"फिर मैं जा मिला ब्लैक टोइस से।"

"मैंने चेहरे पर कीचड़ की परत पोत ली थी। इसलिए किसी को मेरे ब्लैक टोइस न होने का शक नहीं हुआ।"

"यहा आने पर जब तुम लोगों ने नागराज जी, ध्रुव जी को डैश चेंबर में फंसा दिया था तो मैं निकलना माना शिल्पात्री की नमाश में।"

मम्मीSSSS!

क...कम्प्यूटर तुम...यहां कैसे पहुंच गए...! आSSSSह

मम्मी मास्टर श्री छोटा हो गया है और चानबात्र मांबा ने नागराज जी और ध्रुव जी को श्री कैद कर लिया है।

म्यूटेशन लेवल जीरो होने वाला है। ओहSSSS कम्प्यूटर तुम भी छोटे होने वाले होSSSS।

मैं अपने होश कायम नहीं रख पा रही हूं कम्प्यूटर अब तुम्हें ही जा कर...

कम्प्यूटर तुम भी छोटे टोड बन गए। आहSSSS।

आहा कम्प्यूटर! म्यूटेशन लेवल सिस्टम उस कक्ष में है।

"फिर मैं फुदकते हुए उस कक्ष में जा पहुंचा-"

"म्यूटेशन लेवल को नार्मल करते ही-"

"मेरे ओवरकोट में छिपे हुए मास्टर, कटर और शूटर भी नार्मल हो गए थे।"

100
MUTATION
LEVEL NORMAL



चलो! यारों हमें मांबा की धुनाई करनी है।

और नागराज जी और ध्रुव जी को कैद से आजाद कराना है।

पर जब तक हम यहां पहुंचे तब तक नागराज और ध्रुव जी अपने आप ही यहां से आजाद हो चुके थे।

पर तुम सबकी धुनाई का काम अभी भी बचा हुआ है।

बहुत बकवास कर ली तुमने। मेरा ये ऊर्जा वार पहले तुम्हारी बड़बोली जुबान को गलाएगा फिर तुम्हारी खोपड़ी को।

अगर वो कम्प्यूटर तक पहुंच गया तो।

अब हमारे वार तुम्हारी सारी ऊर्जा निकाल देंगे।



और अपनी थोड़ी सी ऊर्जा हम तुम्हारी धुनाई में निकाल देंगे।



ओह! ऊर्जा वार नष्ट हो गया।



ये लपट मांभा
को बुर्गे। अब मांभा को
सुर्गा बनाना है।



कोई आगे नहीं
बढ़ेगा वरना पूरी दुनिया मेरे
निशाने पर है।

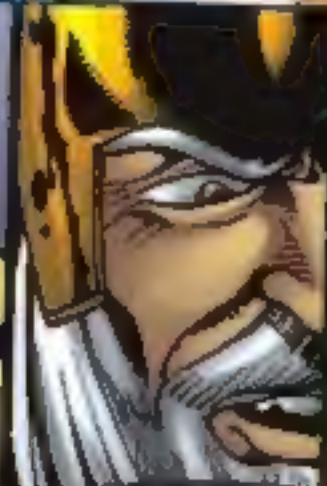
पूरी दुनिया के साथ-
साथ अब तुम सब भी हमारे
गुलाम होओ वरना तुम्हारे साथ-साथ
पूरी दुनिया का विध्वंस
कर देंगे हम।



हां, हम सब आपके
गुलाम हैं महान मांभा जी।
पूरी दुनिया को उड़ाने की
कोशिश न कीजिए।

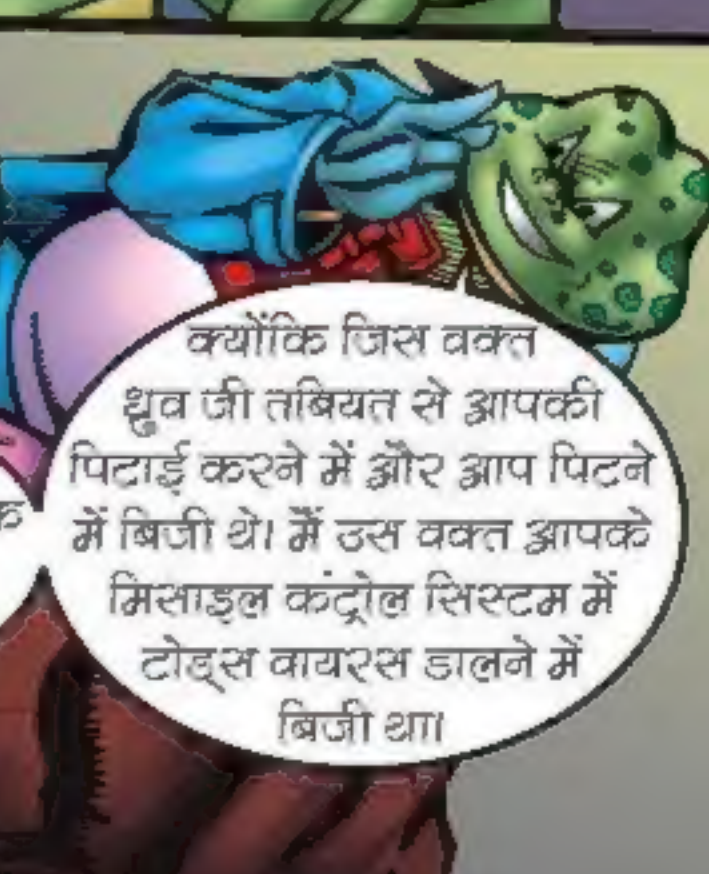


वरना आप दुनिया
तो नहीं उड़ा पाएंगे,
लोग आपका मजाक
जोर उड़ाएंगे।



मेंढक की औलाद तेरी
इतनी हिम्मत कि तूने मांभा पर
हाथ उठाया। रुक मैं अभी पूरी श्री
लंका को उड़ाता हूं और अबला
नंबर तुम लोगों का!

पूरे श्रीलंका तो क्या
श्री लंका में तली जा रही एक
पूरी को भी नहीं उड़ा
सकता तू मांभा।



क्योंकि जिस वक्त
ध्रुव जी तबियत से आपकी
पिटार्ड करने में और आप पिटने
में बिजी थे। मैं उस वक्त आपके
मिसाइल कंट्रोल सिस्टम में
टोक्स वायरस डालने में
बिजी था।



"टोड्स की मेमोरी से स्वर्ण नगरी से जुड़ी बातें तो मिटा दी मैंने परन्तु मां की याद कैसे मिटा सकती हूं मैं?"

मां हमें फिर छोड़कर कोई हमारा सहारा चली गई।

फिर से नहीं बचा।

वक्त के साथ-साथ ये थोड़े से बड़े और अनुभवी जरूर हो गए हैं। मगर अभी भी अच्छे-बुरे की समझ इन्हें नहीं है।

जिसे करने का ना जाने क्यों दिल गवाही नहीं दे रहा।

कोई ऐसा चाहिए जो इनका मार्गदर्शन करता रहे। क्यों धनंजय?

तुम ठीक कहती हो शिल्पात्री।

धनंजय ने आखिर मुझे हर संधे टोड्स से मिलने की इजाजत दे ही दी।

अब मैं अपनी ममता और मार्ग दर्शन इन्हें समय-समय पर देती रहूंगी।

मां! मातै! आप आ गईं। मांमा!

मममी!

HAPPY ENDING